page 1 and 8 jan 19_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/19/2026 12:41 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 दिल्ली में अब 1.20 लाख की सालाना आय वाले परिवारों को बनेगा राशन कार्ड -रेखा गुप्ता

5 श्रीलंका की शानदार जीत पर कप्तान दिनसारा बोले टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं

8 ईसबगोल एक अत्यंत महत्वपूर्ण औषधीय फसल

न्यूनतम 8 मौसम जम्मू अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-17 | जम्मू तवी, सोमवार 19 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

प्रधानमंत्री मोदी ने तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

कोलकाता, 18 जनवरी। देश में आधुनिक और सुलभ रेल परिवहन को मजबूती देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किए गए इस शुभारंभ के साथ ही पश्चिम बंगाल से दक्षिण, उत्तर और पूर्व भारत के बीच रेल संपर्क को नई गति मिली है। प्रधानमंत्री द्वारा जिन ट्रेनों का उद्घाटन किया गया, उनमें संतरागाछी-तांबरम, हावड़ा-आनंद विहार और सियालदह-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों के संचालन से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बीच यात्रा और अधिक सुगम होगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने जयरामबाटी-मयनापुर (15 किलोमीटर) नई रेल लाइन का उद्घाटन भी किया और इस खंड पर नई ट्रेन को रवाना किया। यह रेल लाइन क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय विकास को भी गति देगी। रेल मंत्रालय के अनुसार, अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है, जिनका उद्देश्य मध्यम वर्ग और सामान्य यात्रियों को किफायती, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराना है। इन ट्रेनों में उन्नत कोच, बेहतर सीटिंग व्यवस्था और यात्री सुविधा पर विशेष ध्यान दिया गया है। संतरागाछी स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ सतीश कुमार, दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, खड़गपुर और बालेश्वर स्टेशनों पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने नई ट्रेन का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इन नई सेवाओं से न केवल अंतरराज्यीय संपर्क मजबूत होगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। अमृत भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ देश के रेल आधुनिकीकरण अभियान में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत अब आयातक से निर्यातक बन रहा है : राजनाथ

नागपुर में मीडियम कैलिबर गोला-बारूद फैक्टरी का उद्घाटन

नागपुर, 18 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत अब सैन्य उपकरणों का आयातक नहीं, बल्कि निर्यातक बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री सिंह आज महाराष्ट्र के नागपुर में सोलर इंडस्ट्रीज के स्थापित मीडियम कैलिबर गोला-बारूद निर्माण सुविधा के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में सोलर इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियां अहम योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि जब वह ऐसे आधुनिक रक्षा संयंत्र देखते हैं, तो उन्हें केवल एक फैक्ट्री नहीं, बल्कि नया संकल्प, नई ऊर्जा और नवाचार दिखाई देता है। राजनाथ सिंह ने बताया कि एक समय था जब रक्षा उत्पादन लगभग पूरी तरह सार्वजनिक क्षेत्र तक सीमित था, लेकिन बीते वर्षों में इस सोच में बदलाव आया है। आज निजी क्षेत्र रक्षा उत्पादन में बड़ी भूमिका निभा रहा है, जिससे आयात पर निर्भरता कम हो रही है और भारतीय सशस्त्र बलों को समय पर उच्च गुणवत्ता वाला गोला-बारूद उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध के स्वरूप बदल रहे हैं और अब उसका प्रभाव आम नागरिकों पर भी पड़ता है। ऐसे में आधुनिक तकनीक और नए इनोवेशन के साथ रक्षा उद्योग को मजबूत करना जरूरी है उन्होंने कहा कि भारत अब रक्षा उत्पादों के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है। उन्होंने यह भी कहा कि नागपुर तेजी से रक्षा उद्योग के केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां न केवल नए रक्षा उद्योग स्थापित हो रहे हैं, बल्कि पहले से मौजूद उद्योग भी अपने विस्तार की दिशा में काम कर रहे हैं। सोलर इंडस्ट्रीज के चेयरमैन सत्यनारायण नुवाल ने कहा कि नागास्त्र जैसे स्वदेशी हथियारों का निर्माण और उनका सफल उपयोग देश की रक्षा क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र रक्षा और देशहित के लिए आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सोलर इंडस्ट्रीज लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

बांग्लादेश ने फिर भारत से चावल आयात को दी मंजूरी, हिली लैंड पोर्ट के व्यापारियों में उत्साह

दक्षिण दिनाजपुर, 18 जनवरी। चावल की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण और कालाबाजारी पर लगाम लगाने के उद्देश्य से बांग्लादेश सरकार ने एक बार फिर भारत से चावल आयात को मंजूरी दे दी है। रविवार दोपहर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खाद्य मंत्रालय की ओर से नए सिरे से दो लाख मीट्रिक टन चावल आयात की अधिसूचना जारी की गई। इस खबर के सामने आते ही दक्षिण दिनाजपुर जिले के हिली लैंड पोर्ट के व्यापारियों में भारी उत्साह देखा गया। उल्लेखनीय है कि, बांग्लादेश में खरीफ और रबी सीजन के दौरान धान उत्पादन में कमी के चलते घरेलू बाजार में चावल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। आपूर्ति बनाए रखने के लिए यूनुस सरकार ने पिछले साल अगस्त में पांच लाख मीट्रिक टन और नवंबर में एक लाख मीट्रिक टन चावल आयात की अनुमति दी थी। अब तीसरी बार दो लाख मीट्रिक टन चावल आयात को मंजूरी दी गई है। इसके तहत बांग्लादेश के 232 आयातक वाणिज्यिक संस्थान भारत से चावल ला सकेंगे। नई अधिसूचना में चावल की कोई निश्चित कीमत तय नहीं की गई है, लेकिन भारत से चावल आयात पर बांग्लादेश को पांच प्रतिशत सेस (टैक्स) देना होगा। इससे पहले आयात किए गए छह लाख मीट्रिक टन में से करीब 2.5 लाख मीट्रिक टन चावल हिली बंदरगाह से होकर गया था। इस बार भी व्यापारियों का मानना है कि आयात का बड़ा हिस्सा इसी बंदरगाह से होगा।

एक उज्ज्वल जम्मू-कश्मीर के निर्माण का संकल्प लें : उपराज्यपाल

सांबा, 18 जनवरी। उपराज्यपाल ने युवाओं से बड़े सपने देखने उच्च लक्ष्य रखने और उन्हें पूर्ण साहस और अटूट संकल्प के साथ साकार करने का आह्वान किया। आपका भविष्य आपका इंतजार कर रहा है। एक उज्ज्वल जम्मू-कश्मीर के निर्माण का संकल्प लें और समर्पण के साथ काम करें। इतिहास उन लोगों को याद रखता है जिन्होंने सीमाओं को चुनौती देने, भय पर विजय प्राप्त करने और असंभव को संभव कर दिखाने का साहस किया। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि जो युवा प्रतिदिन अपने सपनों की ओर छोटे-छोटे कदम बढ़ा रहे हैं वे एक दिन परिवर्तन का नेतृत्व करेंगे । इतिहास रचने वाले वही होते हैं जो वास्तव में अपनी क्षमता पर विश्वास करते हैं जो खुद पर भरोसा रखते हैं उपराज्यपाल सिन्हा युवा केवल कल की आशा नहीं हैं वे आज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। जम्मू-कश्मीर के युवाओं को केंद्र शासित प्रदेश और राष्ट्र के लिए बड़े सपने देखने का साहस करना चाहिए। जब सपने ऊंचे उठते हैं तो विकसित समाज के मार्ग कड़ी मेहनत धैर्य और अटूट साहस से ही प्रशस्त होते हैं। नवाचार और उद्यमिता समाज की प्रगति की कुंजी हैं। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं को समस्याओं के समाधान और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए नए विचारों को अपनाना चाहिए जो आर्थिक सशक्तिकरण के शक्तिशाली चालक साबित होंगे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज युवाओं से बड़े सपने देखने उच्च लक्ष्य रखने और उन्हें पूरे साहस और अटूट संकल्प के साथ हासिल करने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने युवाओं से सामाजिक परिवर्तन के सूत्रधार बनने और विकसित भारत की परिकल्पना में योगदान देने का आह्वान किया। इतिहास हमें सिखाता है कि दुनिया बदलने वाले लोग असाधारण परिस्थितियों पर नहीं बल्कि असाधारण सोच पर निर्भर थे। युवा न केवल कल की आशा हैं बल्कि आज की सबसे बड़ी शक्ति भी हैं। जम्मू-कश्मीर के युवाओं को केंद्र शासित प्रदेश और राष्ट्र के लिए बड़े सपने देखने का साहस करना चाहिए। जब सपने ऊँचे उठते हैं तो विकसित समाज के मार्ग कड़ी मेहनत धैर्य और अटूट साहस से ही प्रशस्त होते हैं उपराज्यपाल ने कहा क्षतिग्रस्त रेलवे पुलों का पुनर्निर्माण तीन महीने के भीतर कर दिया जाएगा जबकि बाढ़ से क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय राजमार्गों के हिस्सों का पुनर्निर्माण कार्य अगले चार महीनों में पूरा कर लिया जाएगा।

आतंकवादियों से मुठभेड़ में तीन जवान घायल

किश्तवाड़, 18 जनवरी। रविवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवार जिले के ऊपरी इलाकों में स्थित एक दूरस्थ वन क्षेत्र में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में तीन जवान घायल हो गए। आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सेना के जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर द्वारा ऑपरेशन त्राशी-I नाम से शुरू किया गया यह अभियान दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुआ। व्हाइट नाइट कोर ने एक पोस्ट में बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ चल रहे संयुक्त आतंकवाद-विरोधी अभ्यास के तहत चलाए जा रहे सुनियोजित तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों का चत्रू के उत्तर-पूर्व में स्थित सोनार क्षेत्र में आतंकवादियों से सामना हुआ। सेना ने कहा, नालामी को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है और नागरिक प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय के साथ अभियान जारी है।卐 सेना ने चुनौतीपूर्ण भूभाग और परिस्थितियों में शत्रुतापूर्ण गोलीबारी का जवाब देते हुए सैनिकों के असाधारण पेशेवर रवैये और दृढ़ संकल्प की सराहना की। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी दल में से एक का सामना दो से तीन विदेशी आतंकवादियों के एक समूह से हुआ, जिनका कथित तौर पर पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से संबंध था। इन आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की और घेराबंदी तोड़ने के प्रयास में कुछ ग्रेनेड भी फेंके। सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की और घेराबंदी को और कड़ा करने के लिए सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और पुलिस से अतिरिक्त बल भेजे गए। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच कुछ देर तक रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही।

गणतंत्र दिवस से पहले कश्मीर में बढ़ाई गई सुरक्षा

श्रीनगर, 18 जनवरी(। सुरक्षाबलों ने घाटी में सुचारू और शांतिपूर्ण समारोह सुनिश्चित करने के लिए गणतंत्र दिवस से पहले पूरे कश्मीर में स्वच्छता और क्षेत्र प्रभुत्व अभ्यास तेज कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए श्रीनगर शहर और घाटी में अन्य जगहों पर सभी प्रमुख चौराहों पर वाहनों की यादृच्छिक जांच की जा रही है।उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा उनके आसपास तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व अभ्यास भी शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि कश्मीर में मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह बख्शी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि शहर और अन्य जिला मुख्यालयों में पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है जबकि श्रीनगर में विभिन्न स्थानों पर खासकर शहर और अन्य जिलों के प्रवेश बिंदुओं पर जांच चौकियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा कि यहां स्टेडियम सहित घाटी में गणतंत्र दिवस समारोह स्थलों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आयोजन स्थलों के आसपास एक बहु-स्तरीय सुरक्षा तंत्र लगाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने या शांति भंग करने की अनुमति नहीं देने को कहा गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आतंकवादी गणतंत्र दिवस से पहले कोई आईईडी विस्फोट नहीं कर सकें, खोजी कुत्तों और मेटल डिटेक्टरों को काम पर लगाया गया है।

रात के अंधेरे में ओवरलोड ट्रकों का तांडव

कठुआ, 18 जनवरी (हि.स.)। जम्मू कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर से लेकर कालीबाड़ी तक जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात के अंधेरे में ओवरलोड वाहनों का खुलेआम तांडव देखने को मिल रहा है। तस्वीरें इस बात की गवाही दे रहे हैं कि किस तरह भूसे से लदे तीन से चार बड़े ट्रक तेज रफ्तार में नियमों को रौंदते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर दौड़ रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है मानो इन वाहनों ने पूरे राजमार्ग का टैक्स चुका दिया हो और बाकी वाहन चालक यहां मेहमान बनकर चल रहे हों। हैरानी की बात यह है कि यातायात नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी निभाने वाले आरटीओ और डीटीआई विभाग, जो आए दिन यातायात सुरक्षा अभियान और जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए नसीहतें देते नजर आते हैं, जमीनी हकीकत में कहीं दिखाई नहीं देते। कठुआ आरटीओ और डीटीआई द्वारा आयोजित किए जाने वाले ये कार्यक्रम क्या महज अखबारों की सुर्खियां बटोरने तक सीमित हैं, यह सवाल अब आम लोगों की जुबान पर है। हमारे संवाददाता द्वारा रात के समय बनाई गई वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि हटली मोड़ से लेकर लखनपुर तक भूसे से भरे ओवरलोड ट्रक तेज गति से गुजर रहे हैं। न तो वजन की सीमा का ध्यान रखा जा रहा है और न ही रफ्तार पर कोई नियंत्रण है। ऐसे में छोटे वाहन चालकों और आम यात्रियों की जान हर पल खतरे में बनी हुई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि इन ओवरलोड वाहनों की वजह से कोई बड़ा हादसा होता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या तब भी विभागीय अधिकारी केवल औपचारिक बयान देकर अपने कर्तव्यों से पल्ला झाड़ लेंगे? स्थानीय लोगों और यात्रियों की मांग है कि रात के समय राष्ट्रीय राजमार्ग पर सख्त चेकिंग अभियान चलाया जाए, ओवरलोड वाहनों पर कठोर कार्रवाई हो और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

स्पा सेंटर के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जम्मू, 18 जनवरी। जम्मू पुलिस ने जिला मजिस्ट्रेट के आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए अखनूर पुलिस स्टेशन में कलर रिलैक्सिंग स्पा सेंटर के नाम से संचालित एक स्पा सेंटर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उक्त प्रतिष्ठान अपने कर्मचारियों, श्रमिकों के अनिवार्य पुलिस सत्यापन के बिना संचालित हो रहा था जो जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी अधिसूचनाओं और आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन है।

डीएम के आदेशानुसार सभी निवासियों संपत्ति मालिकों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के मालिकों के लिए किरायेदारों, कर्मचारियों और श्रमिकों का पूरा विवरण सत्यापन के लिए संबंधित पुलिस स्टेशन को देना अनिवार्य है। तदनुसार पुलिस स्टेशन अखनूर में धारा 223 बीएनएस के तहत एफआईआर संख्या 11 2026 दर्ज की गई है जिसमें जसमीत सिंह पुत्र जरनैल सिंह स्पा सेंटर के प्रभारीमालिक निवासी मकान संख्या 1123 सेक्टर-6 नानक नगर गांधी नगर जम्मू के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। इसमें तीक्ष्ण लंगर पुत्र परवीन लंगर स्पा सेंटर के मालिक, निवासी वार्ड संख्या 12 अखनूर तहसील अखनूर जिला जम्मू की संलिप्तता भी शामिल है।

फर्जी सरकारी भर्ती रैकेट में युवाओं को धोखा देने के आरोप में ईओडब्ल्यू कश्मीर ने सात लोगों पर मामला दर्ज किया

श्रीनगर, 18 जनवरी। अपराध शाखा कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने कथित तौर पर फर्जी सरकारी भर्ती रैकेट चलाने और बेरोजगार युवाओं को पैसे के बदले नौकरी की पेशकश करके धोखा देने के आरोप में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।एक बयान के अनुसार आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), अपराध शाखा कश्मीर ने कथित तौर पर सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने निर्दोष लोगों, विशेषकर बेरोजगार युवाओं को धोखा देने और ठगने के आरोप में सात व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। बयान में कहा गया है कि यह मामला ईओडब्ल्यू को प्राप्त एक लिखित शिकायत से उत्पन्न हुआ है जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि कुछ लोग बैंकों, कृषि विभाग और रक्षा सेवाओं सहित विभिन्न सरकारी विभागों में रोजगार का वादा करके उम्मीदवारों को धोखाधड़ी से प्रेरित कर रहे थे।आगे आरोप लगाया गया कि आरोपी व्यक्तियों ने सरकारी सेवाओं में उनकी नियुक्ति की सुविधा के लिए विभिन्न पीड़ितों से लगभग 39.00 लाख की राशि एकत्र की। हालांकि वैध रोजगार हासिल करने के बजाय आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ितों को फर्जी और जाली नियुक्ति आदेश प्रदान किए।बयान में यह भी कहा गया है कि शिकायत मिलने पर आर्थिक अपराध शाखा, अपराध शाखा कश्मीर द्वारा प्रारंभिक सत्यापन शुरू किया गया थाजांच के दौरान प्रथम दृष्टया आरोप सही पाये गये. यह पता चला कि आरोपी व्यक्तियों ने धोखाधड़ी और धोखाधड़ी के कृत्यों को अंजाम देने के लिए अन्य व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत सिम कार्डों का प्रबंधन और उपयोग किया था। पीड़ितों को दिए गए नियुक्ति आदेशों के सत्यापन से पुष्टि हुई कि दस्तावेज फर्जी और जाली थे।आरोपी के कृत्य से प्रथम दृष्टया आरपीसी की धारा 420, 468, 472 और 120-बी के तहत दंडनीय अपराध का पता चलता है। तदनुसार, संज्ञान लिया गया है और पुलिस स्टेशन आर्थिक अपराध शाखा, अपराध शाखा कश्मीर में औपचारिक रूप से मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच चल रही है। बयान में आगे कहा गया है आर्थिक अपराध शाखा, अपराध शाखा कश्मीर, आम जनता विशेष रूप से बेरोजगार युवाओं को पैसे के बदले सरकारी नौकरियों की पेशकश करने वाले व्यक्तियों या समूहों के खिलाफ सतर्क रहने की सलाह देती है।

एलजी लद्दाख ने नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यटन मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली, 18 जनवरी। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने आज नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। इस दौरान लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटन अवसंरचना को सुदृढ़ करने, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने, मठों के विकास तथा आगामी प्रमुख पर्यटन एवं सांस्कृतिक आयोजनों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने लद्दाख की विशिष्ट सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भौगोलिक पहचान को रेखांकित करते हुए क्षेत्र को सतत एवं विरासत पर्यटन के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने हेतु विशेष सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

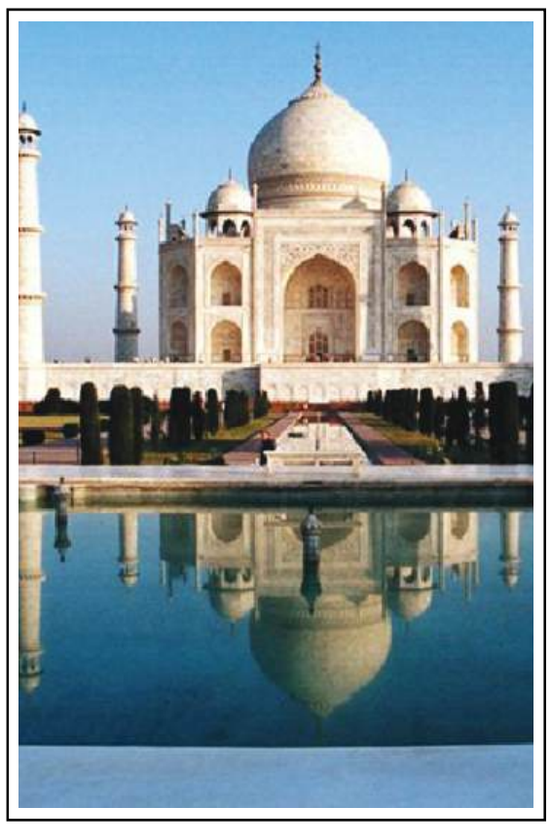

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नहीं है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योंकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किला: जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबाग: यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवत: आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोज़ोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नही जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

आतिशी की टिप्पणी पर जांच रिपोर्ट वैध, सदन से निलंबन की मांग : वीरेन्द्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विधान सभा के सदन में आतिशी की टिप्पणी पर जांच रिपोर्ट को वैध पाया है। उन्होंने सदन से आतिशी के निलंबन की मांग की है। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने आज प्रदेश कार्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली विधानसभा की 6 जनवरी की कार्यवाही से जुड़ी मूल रिकॉर्डिंग की फॉरेंसिक जांच पर आधारित रिपोर्ट पूरी तरह वैधानिक है और इस पर किसी प्रकार के संदेह की गुंजाइश नहीं है। उन्होंने दावा किया कि रिपोर्ट से आम आदमी पार्टी (आआपा) की नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी मार्लेना द्वारा सिख गुरू साहिबान को लेकर की गई कथित अभद्र टिप्पणी का अपराध स्थापित होता है। सचदेवा ने 'आआपा' नेता सौरभ भारद्वाज के उस बयान की कड़ी निंदा की, जिसमें हिंदू-सिख दंगे का प्रपंच रचे जाने की बात कही गई थी। उन्होंने इस टिप्पणी को 'बेहद खतरनाक' बताते हुए आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधान सभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता की प्रस्तुत जांच रिपोर्ट विधान सभा की मूल रिकॉर्डिंग की जांच पर आधारित है, इसलिए इसकी वैधानिकता पर सवाल उठाना निराधार है। उन्होंने यह भी कहा कि अमृतसर में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने भी आतिशी मार्लेना के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर कार्रवाई की घोषणा की है, जिसके चलते दिल्ली, पंजाब सहित देशभर के सिख समाज में रोष है।

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर 2.16 किलो सोना जब्त, म्यांमार के तीन नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर कस्टम्स विभाग ने सोना तस्करी के एक प्रयास को नाकाम करते हुए 2.16 किलोग्राम सोना जब्त किया है। जब्त किए गए सोने की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.90 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले में म्यांमार के तीन पुरुष नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, 14 जनवरी को प्रिवेंटिव शिफ्ट 'डी' के दौरान यांगून (म्यांमार) से दिल्ली पहुंची फ्लाइट संख्या 8एम-620 से आए तीन यात्रियों को टर्मिनल-3 के अंतरराष्ट्रीय आगमन हॉल में ग्रीन चैनल पार करते समय संदेह के आधार पर रोका गया। इसके बाद यात्रियों की व्यक्तिगत तलाशी और उनके सामान की गहन जांच की गई, तो उनके पास से 13 सोने की छड़ें बरामद की गईं, जिनका कुल वजन 2,158 ग्राम पाया गया। बरामद सोने का टैरिफ मूल्य 2,89,81,530 रुपये आंका गया है। कस्टम्स विभाग ने जब्त किए गए सोने को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत सीज कर लिया है। वहीं, तीनों आरोपितों को धारा 104 के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच जारी है। कस्टम्स विभाग ने स्पष्ट किया है कि हवाई अड्डों पर तस्करी रोकने के लिए निगरानी और सख्ती आगे भी जारी रहेगी।

रोहिणी के पास कार से एक करोड़ रुपए की ड्रग्स बरामद. ड्राइवर समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की एंटी-एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल ने ड्रग तस्करी में शामिल एक गैंग का बड़ा भंडाफोड़ किया है। टीम ने दो ड्रग पेडलर्स को 383 ग्राम अवैध स्मैक/हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। यह ड्रग कार में छिपाकर ले जाई जा रही थी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ से ज्यादा बताई गई है। गुप्त सूचना मिलने पर इंस्पेक्टर अमित सोलंकी के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई शुरू की। टीम में एसआई अरविंद, एसआई प्रवीण, एएसआई रविंदर कुमार, हेड कांस्टेबल अमित, हेड कांस्टेबल नितिन, हेड कांस्टेबल सम्राट, हेड कांस्टेबल रविंदर और हेड कांस्टेबल रूबी शामिल थे। एसीपी पंकज अरोड़ा की देखरेख और डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव के निर्देशन में टीम ने 16 जनवरी 2026 को महाराजा अग्रसेन मार्ग, गांव नाहरपुर, रोहिणी के पास नाहरपुर बस स्टैंड और एम2के मार्केट की ओर जाने वाली सड़क पर निगरानी शुरू की। कार में ड्राइवर समेत दो लोग सवार थे।

मौनी अमावस्या की हार्दिक शुभकामनाएं, मां गंगा देशवासियों का कल्याण करें: प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली। मौनी अमावस्या के अवसर पर हरिद्वार से लेकर वाराणसी और प्रयागराज तक आस्था का भव्य संगम देखने को मिल रहा है। कड़ाके की ठंड के बावजूद लाखों की संख्या में श्रद्धालु घाट पर पहुंचकर स्नान कर रहे हैं। इसी बीच, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने देशवासियों को मौनी अमावस्या की शुभकामनाएं दी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'तप, त्याग, ध्यान, और दान के पावन महापर्व मौनी अमावस्या की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। मोक्षदायिनी माँ गंगा सभी देशवासियों का कल्याण करें। हर हर गंगे।' इससे पहले, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'दान, व्रत और त्याग की प्रेरणा देने वाले आस्था के महापर्व मौनी अमावस्या की सभी श्रद्धालुओं और प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई। मोक्षदायिनी माँ गंगा और सूर्यदेव की कृपा से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों, जीवन में नव ऊर्जा, नव उत्साह और नव उमंग का संचार हो, यही कामना है। हर हर गंगे।

दिल्ली में अब 1.20 लाख की सालाना आय वाले परिवारों का बनेगा राशन कार्ड : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत और गरीब-केंद्रित बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया गया है। अब 1.20 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले परिवारों को राशन कार्ड का अधिकार मिलेगा, जो पहले एक लाख तक सीमित था। यह निर्णय मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई दिल्ली कैबिनेट की बैठक में लिया गया था। मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि खाद्य सुरक्षा कोई एहसान नहीं बल्कि गरीबों का अधिकार है। हमारी सरकार का संकल्प है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति केवल व्यवस्था की खामियों के कारण भूखा न रहे। सरकारी जानकारी के अनुसार वर्षों से स्पष्ट नियमों के अभाव में दिल्ली में 3 लाख 89 हजार 883 से अधिक आवेदन लंबित हैं और 11 लाख 65 हजार 965 से ज्यादा लोग आज भी खाद्य सुरक्षा की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिन्हें अब पारदर्शी

और जरूरत-आधारित प्रणाली के तहत शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि नए नियमों के तहत प्राथमिकता परिवारों की पहचान के लिए आय सीमा को व्यावहारिक बनाया गया है। अब 1.20 लाख रुपये तक की सालाना पारिवारिक आय वाले परिवार खाद्य सुरक्षा के दायरे में आएंगे। पहले यह आय सीमा एक लाख रुपये थी। इसके लिए राजस्व विभाग की ओर से जारी आय प्रमाणपत्र अनिवार्य किया गया है, जिससे स्व-प्रमाणन (सेल्फ वेरिफिकेशन) की व्यवस्था समाप्त होगी। नए नियमों के अनुसार ऐसे परिवार जिनके पास दिल्ली में ए से ई श्रेणी की कॉलोनियों में संपत्ति है, जो आयकर देते हैं, जिनके पास चार पहिया वाहन है (रोजी-रोटी के लिए इस्तेमाल होने वाला एक कमर्शियल वाहन इसमें शामिल नहीं है), जिनके परिवार का कोई सदस्य सरकारी सेवा में है या जिनके घर में 2 किलोवाट से अधिक का बिजली कनेक्शन है, इस योजना के पात्र नहीं होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब 'पहले आओ-पहले पाओ' की व्यवस्था समाप्त कर जिला स्तरीय समितियों के माध्यम से आवेदनों की जांच, स्वीकृति और क्रमबद्ध प्राथमिकता तय की जाएगी। इससे सबसे अधिक जरूरतमंद परिवारों को सूची में आगे स्थान मिलेगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय समिति को प्राथमिकता निर्धारण की केंद्रीय इकाई बनाया गया है। इसकी अध्यक्षता जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या अपर जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) करेंगे। समिति में स्थानीय विधायक और संबंधित अधिकारी शामिल होंगे।

आईजीआई एयरपोर्ट पर 8.77 किलो गांजा जब्त, बैंकॉक से आए दो भारतीय यात्री गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर कस्टम्स विभाग ने मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े प्रयास का पर्दाफाश किया है। कस्टम्स अधिकारियों ने बैंकॉक से दिल्ली पहुंचे दो भारतीय पुरुष यात्रियों के पास से करीब 8.77 किलोग्राम गांजा (मारिजुआना) बरामद किया है। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 8.77 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, 13 जनवरी को बैंकॉक से उड़ान संख्या टीजी-315 से आए यात्रियों को 14 जनवरी को टर्मिनल-3 के अंतरराष्ट्रीय आगमन क्षेत्र में ग्रीन चैनल पर स्पॉट प्रोफाइलिंग के आधार पर रोका गया। संदेह होने पर यात्रियों के निजी सामान और ट्रॉली बैग को एक्स-रे जांच के लिए भेजा गया और जांच के दौरान गहरे नीले रंग के एक ट्रॉली बैग से 9 पॉलीथिन पाउच बरामद किए गए, जिनमें हरे रंग का मादक पदार्थ भरा हुआ था। प्रारंभिक जांच और डायग्नोस्टिक टेस्ट में यह पदार्थ गांजा/मारिजुआना पाया गया। बरामद मादक पदार्थ का कुल शुद्ध वजन 8,771.5 ग्राम दर्ज किया गया है। कस्टम्स विभाग ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 43(ए) के तहत मादक पदार्थ और पैकेजिंग सामग्री को जब्त कर लिया है। वहीं, दोनों आरोपितों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 43(बी) के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि आरोपितों ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8 का उल्लंघन किया है, जो धारा 20, 23 और 29 के तहत दंडनीय अपराध है। कस्टम्स विभाग ने कहा कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी से जुड़े संभावित नेटवर्क की भी गहन जांच की जा रही है।

आतिशी के कहे शब्दों की सच्चाई देश के सामने आई : सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि 6 जनवरी को दिल्ली विधानसभा के सत्र के दौरान गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान में चल रही चर्चा (संविधान के अनुच्छेद 270 के तहत) के दौरान नेता प्रतिपक्ष आतिशी द्वारा कहे गए आपत्तिजनक शब्दों को लेकर अब सच्चाई पूरी तरह देश के सामने आ चुकी है। सिरसा ने दिल्ली सचिवालय में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि दिल्ली फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट ने स्पष्ट रूप से यह प्रमाणित कर दिया है कि विधानसभा का वीडियो पूरी तरह असली है, उसमें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की गई, और उसमें वही शब्द बोले गए हैं जो विधानसभा अध्यक्ष द्वारा जारी आधिकारिक अनुलग्नक सहित में दर्ज हैं। उन्होने कहा कि आतिशी आज तक सामने नहीं आई क्योंकि उनके पास इस पाप का कोई जवाब नहीं है। सिरसा ने कहा कि 6 तारीख को जब गुरु तेग बहादुर जी

के सम्मान में चर्चा हो रही थी, उस समय आतिशी ने शोर मचाया, और जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने ऐसे अपशब्द बोले जो न सिर्फ सदन की मर्यादा के खिलाफ थे बल्कि सिख समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाले थे। आज तक वह सामने नहीं आई, क्योंकि जो पाप उन्होंने किया है, उसका कोई जवाब उनके पास है ही नहीं। उन्होंने कहा कि विडंबना यह है कि उसी दिन प्रदूषण पर चर्चा भी हुई, समाप्त भी हुई और अखबारों में भी छपी, लेकिन आतिशी तब से अब तक गायब हैं। सिरसा ने आरोप लगाया कि आतिशी को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी (आआपा) और पंजाब सरकार ने मिलकर संस्थागत दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने एक ही दिन में एफआईआर दर्ज कर सीएफएसएल रिपोर्ट मंगवाई, जिसमें एक सीनियर कांस्टेबल ने यह दावा किया कि उसने जेमिनी एआई के जरिए वीडियो की जांच की–जो अपने आप में रिपोर्ट की गंभीरता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है। जेमिनी एआई से वीडियो चेक कर एफएसएल की रिपोर्ट तैयार की गई। क्या ऐसे गंभीर मामले में एआई टूल से जांच की जा सकती है?

सिरसा ने कहा कि यह और भी चौंकाने वाला है कि अदालत में आतिशी खुद नहीं, बल्कि पंजाब सरकार गई और यह मांग की कि वीडियो को मीडिया से हटाया जाए, क्योंकि उनकी ओर से दी गई तथाकथित एफएसएल रिपोर्ट सही है। यह साफ है कि आतिशी की जगह पूरी आम आदमी पार्टी और पंजाब सरकार उनकी लड़ाई लड़ रही है।

मुख्यमंत्री ने तीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर और एक अटल कैंटीन का किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने डब्लूपी ब्लॉक, वीपी ब्लॉक और हैदरपुर स्थित मैटरनिटी होम में कुल तीन नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर, साथ ही एक अटल कैंटीन का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने मीनाक्षी मंदिर रोड के निर्माण कार्यों की भी विधिवत शुरुआत की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से अब क्षेत्र के लोगों को अपने घर के पास ही निःशुल्क डॉक्टर परामर्श, जांच सुविधाएं, आवश्यक दवाइयां, टीकाकरण और प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि बादली मोड़ पर शुरू की गई अटल कैंटीन के माध्यम से मात्र 5 रुपये में गर्म और पौष्टिक भोजन जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए भोजन की सर्वांगीण विकास को नई गति देंगी। उन्होंने भरोसा जताया कि इन परियोजनाओं से न केवल नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होगा, बल्कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं और

उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य, सम्मान और बुनियादी ढांचे-इन तीनों मोर्चों पर शुरू की गई ये योजनाएं शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के आधारभूत सुविधाओं को भी मजबूती मिलेगी।

स्थानीय लोगों ने भी मुख्यमंत्री की इन पहलों का स्वागत करते हुए इसे जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया।

जो समाज अपने इतिहास को भूल जाता है, वह अपना भविष्य और नैतिक दिशा भी खो देता है : हरिवंश

एजेंसी

नई दिल्ली। जो समाज अपने इतिहास को भूल जाता है, वह न केवल अपना भविष्य खो देता है, बल्कि अपनी नैतिक दिशा भी खो देता है। इतिहास केवल अतीत का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं, जनचेतना और राष्ट्रीय चरित्र की नींव है। इसलिए वीर विठ्ठलभाई पटेल की विरासत को पुनर्जीवित करना कोई अकादमिक अभ्यास नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक दायित्व है। यह बातें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने विश्व पुस्तक मेला में दिल्ली विधानसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित कॉफी टेबल बुक 'श्री वीर विठ्ठल भाई की गौरव गाथा : एक शताब्दी यात्रा' पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के पूर्व अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय

कला केंद्र के कलानिधि संकाय के अध्यक्ष रमेशचन्द्र गौड़, दिल्ली विश्वविद्यालय की इतिहास विभाग की प्रो. (डॉ.) मनीषा चौधरी सहित शिक्षाविद, इतिहासकार, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। उपसभापति हरिवंश ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम के एक अपेक्षाकृत विस्मृत अध्याय को पुनर्जीवित करने के लिए दिल्ली विधान सभा सचिवालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पुस्तक को भारतीय इतिहास के एक अत्यंत जीवंत और निर्णायक काल का प्रामाणिक दस्तावेज बताया। रॉलेट एक्ट काल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वीर विठ्ठलभाई पटेल ने विधायी परिषद में 220 से अधिक संशोधन प्रस्तुत किए और परिषद के प्रथम भारतीय अध्यक्ष बने। उन्होंने वीर विठ्ठलभाई पटेल की व्यक्तिगत ईमानदारी, औपनिवेशिक सत्ता से समझौता न करने का साहस, नेताजी सुभाष चंद्र बोस को दिया गया मार्गदर्शन तथा स्वतंत्रता संग्राम हेतु अपनी वसीयत और संसाधन सौंपने का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि वर्ष 1912 से 1933 का कालखंड भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का सबसे निर्णायक चरण रहा, जिसका समापन 22 अक्टूबर, 1933 को वीर विठ्ठलभाई पटेल के निधन के साथ हुआ। उन्होंने वीर विठ्ठलभाई पटेल को क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी और विधायी नेतृत्वकर्ता बताते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय संसदीय लोकतंत्र की संस्थागत नींव रखी।

ड्रग्स तस्करी के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपित मादक पदार्थ के एक मामले में भगोड़ा था और लंबे समय से फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित निखिल (28) तिमारपुर का रहने वाला है और वर्तमान में पालम कॉलोनी के साध नगर इलाके में रह रहा था। इसके खिलाफ थाना भलस्वा डेयरी में मादक पदार्थ का मामला दर्ज है। इस मामले में पहले 400 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी, जिसकी सप्लाई का स्रोत निखिल बताया गया था। रोहिणी कोर्ट की विशेष एनडीपीएस अदालत ने उसे एक मई 2025 को भगोड़ा करार दिया था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार 16 जनवरी को क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली कि आरोपित साध नगर इलाके में आने वाला है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर सतीश मलिक की देखरेख में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी निगरानी के बाद आरोपित की लोकेशन ट्रेस कर साध नगर, पालम कॉलोनी में छापा मारा गया, जहां से उसे दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपित के पास से एक मोबाइल फोन और 4 लाख 34 हजार 300 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि आरोपित दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक संगठित गिरोह के लिए हेरोइन की सप्लाई करता था। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह लंबे समय से नशे के अवैध कारोबार से जुड़ा हुआ है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, निखिल के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं।

आतिशी ने अपमानजनक शब्द नहीं बोले, सरकार राजनीतिक कर रही : सौरभ भारद्वाज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी से जुड़ी वीडियो को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि वीडियो में छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने कहा कि छेड़छाड़ दो तरीकों से हो सकती है। पहला, आवाज में 'गुरु' शब्द डालकर यह दिखाना कि आतिशी ने गुरुजी का अपमान किया है। दूसरा, शोर-शराबे के ऊपर 'गुरु' शब्द लिखकर यह भ्रम पैदा करना कि आतिशी ने ऐसा कहा। भारद्वाज ने दावा किया कि वीडियो में ऐसा कोई शब्द सुनाई ही नहीं देता, बल्कि ऊपर लिखे गए शब्द ही छेड़छाड़ हैं।

आआपा प्रदेश कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार की फॉरेंसिक रिपोर्ट ने स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि आतिशी ने 'गुरु' शब्द कहा या नहीं। रिपोर्ट में शब्दशः बयान दर्ज होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जब पंजाब सरकार ने जांच कराई है तो दिल्ली विधानसभा को पंजाब सरकार से रिपोर्ट मांगनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि वीडियो कपिल मिश्रा के एक्स अकाउंट से सीधे डाउनलोड कर जांच के लिए भेजा गया था, ऐसे में चेन ऑफ कस्टडी का सवाल ही नहीं उठता। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा

के कुछ नेता जांच पर सवाल उठा रहे हैं कि आतिशी की आवाज का नमूना नहीं लिया गया। लेकिन दिल्ली सरकार ने भी आवाज का नमूना नहीं लिया, तो फिर जांच कैसे की गई। शिकायत विधानसभा के वीडियो को लेकर नहीं थी, बल्कि उस वीडियो को लेकर थी जिसे सोशल मीडिया पर साझा किया गया था। आतिशी ने कोई ऐसा शब्द बोला ही नहीं तो जांच में आएगा कैसै?

उल्लेखनीय है कि, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पत्रकार वार्ता में कहा कि शीतकालीन सत्र के दौरान सर्वसम्मति से आतिशी के वीडियो की फॉरेंसिक जांच कराने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने नाटकीय ढंग से जांच पूरी कर ली, रिपोर्ट भी जारी कर दी और एफआईआर भी दर्ज कर दी। गुप्ता ने कहा कि विधानसभा को मिली विस्तृत फॉरेंसिक रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि वीडियो और ऑडियो में कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है और यह पूरी तरह मूल है।

गुप्ता ने यह भी कहा कि पंजाब सरकार की एफएसएल रिपोर्ट की सीबीआई जांच कराई जाएगी। उन्होंने मीडिया के सामने रिपोर्ट पेश करते हुए दावा किया कि इसमें 'गुरु' शब्द का प्रयोग पाया गया है। हालांकि, इससे पहले पंजाब पुलिस की फॉरेंसिक जांच में वीडियो से छेड़छाड़ की बात कही गई थी।

राष्ट्रव्यापी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा ने उठाए लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देश भर में 10 महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कीं, जिनमें लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा और महिलाओं की गरिमा के लिए गंभीर खतरों को उजागर किया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने तीन प्रमुख मुद्दों पर मीडिया को संबोधित किया। पश्चिम बंगाल में घुसपैठ और पत्रकारों पर हमले, पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा पंजाब केसरी कार्यालय पर कथित छापे, और मध्य प्रदेश में एक कांग्रेस विधायक द्वारा महिलाओं के संबंध में की गई विवादास्पद टिप्पणी पर भी भाजपा नेताओं ने मीडिया का ध्यानाकर्षण किया। भाजपा द्वारा उठाया गया पहला मुद्दा पश्चिम बंगाल से संबंधित था, जहां पार्टी ने बड़े पैमाने पर घुसपैठ, कानून-व्यवस्था के बिगड़ने और पत्रकारों पर बार-बार हमलों का आरोप लगाया। भाजपा नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति को बढ़ावा देने और विशेष रूप से चुनाव अधिकारियों, मीडियाकर्मियों और आम नागरिकों के लिए भय का माहौल बनाने का आरोप लगाया।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सीवर परियोजना का किया शिलान्यास, 11 अनाधिकृत कॉलोनियों को मिलेगा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। यमुना नदी की सफाई और दिल्ली की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम उठाते हुए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने ओखला ड्रेनेज जोन के अंतर्गत देओली और अंबेडकर नगर विधानसभा क्षेत्रों की अनधिकृत कॉलोनियों में बड़े स्तर की सीवर विकास परियोजना की शुरुआत की। इन परियोजना का शिलान्यास दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने किया। मंत्री प्रवेश ने कहा कि यह परियोजना वर्षों से लंबित थी और इसका उद्देश्य घरेलू सीवेज को सीधे नालों में जाने से रोकना है। इस परियोजना को वर्ष 2018 में स्वीकृति मिली थी और मई 2020 तक पूरा किया जाना था। योजना के तहत लगभग 57 किलोमीटर सीवर लाइन बिछाई जानी थी, लेकिन बीते वर्षों में केवल लगभग 32 किलोमीटर कार्य ही पूरा हो सका। परिणामस्वरूप 16 चिन्हित कॉलोनियों में से केवल 5 को आंशिक सीवर सुविधा मिल पाई, जबकि शेष क्षेत्रों का गंदा पानी खुले नालों के माध्यम से यमुना में जाता रहा। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली

जल बोर्ड द्वारा इस रुकी हुई परियोजना को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है।

प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि वर्तमान परियोजना के तहत लगभग 25 किलोमीटर लंबी भूमिगत सीवर लाइन (300 मिमी से 700 मिमी व्यास तक) बिछाई जाएगी, जिस पर 31.31 करोड़ की लागत आएगी। इस परियोजना को 9 महीनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे लगभग 3 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा, जो अब तक संगठित सीवर व्यवस्था से वंचित थे। उन्होंने कहा कि यह परियोजना देओली और अंबेडकर नगर विधानसभा क्षेत्रों की 11 अनधिकृत कॉलोनियों को कवर करती है, जहां लंबे समय से सीवर सुविधा का अभाव रहा है। सीवर नेटवर्क न होने के कारण इन घनी आबादी वाले इलाकों का घरेलू अपशिष्ट खुले नालों में बहकर बड़े ड्रेनों और अंततः यमुना नदी में पहुंचता रहा है।

परियोजना के अंतर्गत खानपुर एक्सटेंडेड आबादी (एफ-ब्लॉक), दुग्गल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (स्कूल रोड, खानपुर), राजू पार्क (सी-ब्लॉक, देओली), जवाहर पार्क (खानपुर, देओली रोड - ब्लॉक ए से ई, रजिस्ट्रेशन संख्या 621-ए एवं 621-बी), दुग्गल कॉलोनी (खानपुर एक्सटेंशन पार्ट-2), कृष्णा पार्क (खानपुर, देओली रोड), कृष्णा पार्क एक्सटेंशन (ब्लॉक डी एवं डी-ब्लॉक, देओली), तिगड़ी एक्सटेंशन फेज-2 तथा तिगड़ी एक्सटेंशन (अम्बेडकर नगर, सेक्टर-1) कॉलोनियां शामिल है।

प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यमुना की सफाई का सबसे प्रभावी तरीका है- सीवेज को उसके स्रोत पर ही रोकना। देओली और अंबेडकर नगर की अनधिकृत कॉलोनियों में सीवर सुविधा का अभाव सीधे तौर पर यमुना प्रदूषण का कारण रहा है। यह दिल्ली जल बोर्ड परियोजना उसी मूल समस्या का समाधान है।

ई-सिम के नाम पर ठगी करने वाला साइबर अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने ई-सिम एक्टिवेशन के जरिए ऑनलाइन ठगी करने वाले एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान नवीन उर्फ प्रदीप (23) के रूप में हुई है, जो हरियाणा के फतेहाबाद जिले के टोहाना का रहने वाला है। आरोपित ने ई-सिम और फर्जी ऑनलाइन खातों के जरिए एक व्यक्ति से 93,167 रुपये की ठगी की थी। उत्तर-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि आरोपित ई-सिम को माय जियो ऐप और एयरटेल थैंक्स ऐप के माध्यम से एक्टिवेट कर भोले-भाले लोगों को ठगता था। ठगी में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन भी उसके कब्जे से बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त के अनुसार साइबर थाना पुलिस को यह मामला तब सामने आया, जब जीटीबी नगर निवासी आकाशदीप शर्मा ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में उन्होंने बताया कि साइबर ठगों ने उनसे 93,167 रुपये की धोखाधड़ी की है। मामले में 28 अक्टूबर 2025 को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और डिजिटल फुटप्रिंट्स का विश्लेषण किया। इस बीच बैंक खाते से जुड़े मोबाइल नंबर की जांच में सामने आया कि ई-सिम आरोपित के नाम पर एक्टिवेट थी। लोकेशन ट्रैक करने पर आरोपित का ठिकाना टोहाना, फतेहाबाद (हरियाणा) में पाया गया। इसके बाद पुलिस टीम छापेमारी कर आरोपित को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित ने कबूल किया कि वह पैसों की जरूरत और ऐशो-आराम की जिंदगी के चलते इस अपराध में शामिल हुआ। वह ई-सिम और सिम कार्ड के जरिए फर्जी स्विगी अकाउंट बनाकर ऑनलाइन सामान मंगवाता था। बिलिंग पता अधूरा रखा जाता और डिलीवरी सड़क किनारे लेकर पुलिस से बचने की कोशिश की जाती थी। आरोपित अपने साथियों के साथ मिलकर साइबर अपराध को अंजाम देता था और पहचान छिपाने के लिए बार-बार स्थान बदलता रहता था। पुलिस का कहना है कि आरोपित की अन्य मामलों में संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। मामले की आगे की जांच जारी है।

संपादकीय

सुरक्षा सर्वोपरि!

यह वास्तव में सराहनीय है कि सुरक्षा कारणों से मोबाइल फोन पर वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क सेवाओं के उपयोग पर लगाए गए प्रतिबंध को लागू करने में पुलिस ने सक्रियता दिखाई है और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में कई लोगों को उल्लंघन के लिए बुक किया गया है।

इसी संदर्भ में, खबरों के अनुसार माजलता पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले पालनोश गांव में एक महिला को भी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के उपयोग पर रोक संबंधी आदेशों का पालन न करने के आरोप में बुक किया गया। उल्लेखनीय है कि जिला मजिस्ट्रेट, उधमपुर ने 3 जनवरी को जिले में VPN सेवाओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया था।

महिला को तब बुक किया गया जब उसके मोबाइल फोन नंबर के VPN सेवाओं का उपयोग करने की पुष्टि हुई। हालांकि मामला अभी जांचाधीन है, फिर भी यह आवश्यक हो जाता है कि जिला प्रशासन और संबंधित पुलिस अधिकारियों को ऐसे निषेधाज्ञा आदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना चाहिए, ताकि क्षेत्राधिकार में कोई भी व्यक्ति इन आदेशों और इनके उल्लंघन के परिणामों से अनभिज्ञ न रहे, जो सभी के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी किए गए हैं।

यह अपेक्षा की जाती है कि पुलिस उन लोगों को संदेह का लाभ देगी, जो प्रतिबंधित सेवाओं का उपयोग करते पाए गए लेकिन आदेशों की जानकारी न होने के कारण ऐसा कर बैठे। यह कहीं बेहतर होता यदि उधमपुर में पुलिस या जिला प्रशासन ने विभिन्न मोबाइल सेवा प्रदाताओं की मदद से सभी मोबाइल उपयोगकर्ताओं को VPN सेवाओं पर प्रतिबंध की सूचना संदेशों के माध्यम से दी होती। लोगों तक आदेशों की जानकारी पहुँचाए बिना उनसे पालन की अपेक्षा करना कुछ हद तक अनुचित प्रतीत होता है।

सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, क्योंकि केवल आदेश जारी करना और कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित कर देना संदेश फैलाने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके बजाय एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए, ताकि लोगों को स्थिति में हुए बदलाव और क्षेत्र की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जारी इस आदेश के महत्व की जानकारी मिल सके।

हाल के मामलों की जांच के दौरान यदि यह स्पष्ट हो जाता है कि VPN सेवाओं का उपयोग करने वाले आरोपी प्रतिबंध से अनजान थे, तो अधिकारियों को नरम रुख अपनाना चाहिए और उन्हें चेतावनी देकर सुधार का अवसर देना चाहिए। चूंकि यह मामला क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है, इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच आवश्यक है कि किसी भी दुर्भावनापूर्ण इरादे वाले व्यक्ति को बख्शा न जाए।

अंतत:, उचित जागरूकता के बिना किया गया कड़ाई से प्रवर्तन अनुचित है। इसलिए वास्तविक और अनजान उपयोगकर्ताओं को माफी और अपने व्यवहार में सुधार का अवसर मिलना चाहिए।

परंपरागत ज्ञान से पर्यावरण बचाने की राह

लोकविज्ञान चाहे वह खेती व सिंचाई से संबंधित हो या जंगल में पाए जाने वाले औषधि या पौधे हों, आज भी वृद्ध लोगों के पास सुरक्षित है। स्थानीय और परंपरागत ज्ञान आज पर्यावरण व जैव विविधता के संरक्षण व संवर्धन में महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसके साथ आधुनिक ज्ञान को सीखकर, दोनों के मेल से पर्यावरण व जैव विविधता का संरक्षण किया जा सकता है।मौजूदा समय में देश और दुनिया में पर्यावरण संकट की चर्चा चल रही है। यह वैश्विक समस्या है, लेकिन स्थानीय स्तर पर भी कुछ किया जा सकता है। इसमें ऐसे समुदाय जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहते आए हैं, उनके परंपरागत ज्ञान काफी सहायक हो सकता है। मैंने लम्बे अरसे से देश भर में घूम-घूमकर ऐसे समुदायों से बातचीत की है, और उसके आधार पर रिपोर्टिंग की है। आज इस कॉलम में इस पर बात करना चाहूंगा, जिससे स्थानीय समुदायों के परंपरागत ज्ञान को समझा जा सके और उसके साथ आधुनिक ज्ञान को जोड़कर समस्याओं का समाधान किया जा सके। पर्यावरण और समुदायों की आजीविका की रक्षा की जा सके।

अक्सर, जब कभी हम इतिहास की बात करते हैं, तब हम यह सोचते हैं कि यह मोटी-मोटी किताबों, दस्तावेजों, और पुस्तकालय के ग्रंथों में मिलेगा। लेकिन यह तो हमारे आसपास और परिवेश में भी है। हमें सिर्फ बुजुर्ग और अनुभवी लोगों से सवाल पूछना है और वे हमें बताएंगे, अपने प्रत्यक्ष अनुभव सुनाएंगे, कबीर की तरह आंखों देखी बताएंगे। वे सुनी-सुनाई बातें ही नहीं, आपबीती बताएंगे। याददाश्त के आधार पर बचपन और अपने काम-धंधे से जुड़े व अपने जमाने के किस्से बताएंगे। इसे मौखिक इतिहास व मौखिक ज्ञान भी कह सकते हैं। और यह सब आंचलिक स्थानीय भाषा में ही उपलब्ध है और उसे साक्षात्कार और बातचीत के माध्यम से जाना जा सकता है।बरसों से खेती करने वाले किसान हमें बताएंगे यहां परंपरागत खेती-किसानी कैसी थी, क्या-क्या फसलें उगाई जाती थीं, कब बोई जाती थीं, किस तरह की मिट्टी मे बोई जाती थी, उसके तरीके क्या थे? हल-बक्खर कब चलाना है, बोवनी कब करनी है। जब सिंचाई की व्यवस्था नहीं हुआ करती थी तब कौन सी फसलें उगाई जाती थीं? सिंचाई आने के बाद फसलचक्र में क्या बदलाव आया? वे बताएंगे, बीमार आदमी का इलाज कैसे किया जाता है, किसी की अगर हड्डी टूट जाती है तो कौन सी जड़ी लगाई जाती है, हंसिया या कुल्हाड़ी की चोट पर कौन से पेड़ की छाल पीसकर लगाते हैं?वे बताएंगे कि बारिश कम क्यों होती है? पहले झड़ी लगती थी और अब क्यों पानी नहीं गिरता? सदानीरा नदियों का पानी क्यों सूख गया? बारहमासी नदियां अब बरसाती नालों में कैसे बदल गई? वे साल दर साल क्यों दम तोड़ रही हैं? ज्यादा कुरेदेंगे तो वे यह भी बता सकते हैं ये सूखी नदियां पुनर्जीवित कैसे हो सकती हैं? भूजल क्यों टाइम बम की तरह नीचे चला जा रहा है? ऐसी कई जानकारियां आपको अपने इलाके के बारे में सहज ही मिल जाएगी।हमें ऐसे ढेरों किस्से मिल जाएंगे जिनसे हम अनजान थे। हमें लोकविद्या के ऐसे कई सूत्र हाथ लग जाएंगे, जिससे हम अपना जीवन संवार सकते हैं, बेहतर कर सकते हैं, परिवेश बदल सकते हैं। क्योंकि आधुनिक रासायनिक खेती मुनाफे से संचालित है, जबकि परंपरागत खेती भोजन की जरूरत पूरी करने के लिए विकसित हुई थी। उसके तौर-तरीके किसानों ने ही विकसित किए थे। यह सब हमें किसी खेत की मेढ़ पर या किसी पेड़ की छांव में बैठकर बतियाते पता चल सकता है। इस मामले में हम अपने आपको खुशकिस्मत समझेंगे कि हमारे देश के किसान या बुजुर्ग थोड़ी-बहुत पहचान के बाद उनके दुख-दर्द, अनुभव और आपबीती बिना झिझक के बताते हैं। वे धाराप्रवाह बताते चले जाते हैं कि हमें ऐसा लगेगा ही नहीं कि हम उनसे पहली बार बात कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद (अब नर्मदापुरम नाम है) जिले में पिछले कुछ वर्षों से जनजीवन से सीधे जुड़े जनमुद्दों पर मैंने गांव के कई लोगों से बातचीत की है। यह बातचीत स्थानीय भाषा बुंदेली (जो बुंदेली का रूप इस इलाके में बोला जाता है) में की गई। यह सहज संवाद नहीं, साक्षात्कार था जिसमें मुद्दों का एक फेमवर्क होता है और बातचीत आगे बढ़ती जाती है। लेकिन कभी-कभी मुझे प्रश्नावली को एक तरफ उनकी ही किसी बात के सिरे को पकड़कर आगे बात करनी पड़ती है। ये मुद्दे थे- खेती-किसानी, आदिवासी और विस्थापन पर्यावरण-जल, जंगल, स्थानीय समुदायों की आजीविका इत्यादि। इस बातचीत पर आधारित लेख भी लिखे।इस समय खेती-किसानी पर अभूतपूर्व संकट मंडरा रहा है। बार-बार किसान फसलचक्र बदल रहे हैं। कभी सोयाबीन तो कभी गन्ना। सोयाबीन में लगातार घाटा हो रहा है। पहले सोयाबीन यहां काफी फला-फूला है, लेकिन अब लगभग न के बराबर है। एक-दो सालों से गन्ने की ओर किसान मुड़े लेकिन समय पर उचित दाम नहीं मिलने से किसानों को निराशा ही हाथ लगी। मैदानी क्षेत्र में पहले की हल-बैल की खेती की जगह ट्रेक्टर से खेती हो रही है। हारवेस्टर से कटाई हो रही है जिससे लोगों का रोजगार भी प्रभावित हुआ है।जबकि जंगल क्षेत्र में अब भी किसान अपनी हल-बैल और कुछ हद तक देसी बीजों की खेती कर रहे हैं। यहां खेती बारिश पर निर्भर है यानी सूखे की खेती है। इस इलाके में उतेरा या गजरा पद्धति प्रचलन में है। इसके तहत किसान एक साथ चार-पांच फसलों को मिलाकर बोते हैं। जैसे धान के साथ तुअर, तिल्ली, ज्वार इत्यादि। किसानों का कहना है कि अगर हमारी एक फसल मार खा जाती है तो दूसरी से इसकी कमी पूरी हो जाती है। कई फसलें एक साथ बोने से पोषक तत्वों का चक्र बराबर चलता रहता है। अनाज के साथ फलियां बोने से नत्रजन आधारित बाहरी निवेशों की जरूरत कम पड़ती है। फसलों के डंठल तथा पुआल उन मवेशियों को खिलाने के काम आती है जो जैव खाद पैदा करते है। धान की करधना, झीना, भदेल जैसी कम पानी वाली किस्में भी प्रचलन में है। कम पानी या पानी नहीं होने के कारण तुअर और चना की फसल प्रमुख रूप से होती हैं।विद्याअर्जन के दो स्त्रोत माने जाते हैं। एक है-किताबी और दूसरा है-अनुभव आधारित। इस इलाके के लोग मौखिक परंपरा के वाहक हैं, लिखित नहीं। पहले तो शिक्षा ही नहीं थी। आजादी के बाद हमारी पहली या दूसरी पीढ़ी शिक्षित हो रही है। बिना पढ़े-लिखे लोगों ने ही खेती-बाड़ी, पानी का काम, तालाब, बावड़ी, कुंओं का निर्माण, जड़ी-बूटियों की जानकारी, बांस के सामान सब कुछ अनुभव से सीखा और बढ़ाया। यह कौशल अनुभव से प्राप्त होता है। जो लोकविद्या का भी स्त्रोत है।हाल के वर्षों में इतिहासकारों ने भी मौखिक परंपरा द्वारा स्थानीय इतिहास के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की है। राजनीति शास्त्रियों और नृतत्वशास्त्रियों ने अपने अध्ययन के लिए साक्षात्कार का उपयोग किया है। स्थानीय वृद्ध लोगों से बातचीत कर आदिवासी पारंपरिक जीवनशैली व संस्कृति के अध्ययन के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों-जल, जंगल, जमीन के पारंपरिक उपयोग, स्वामित्व व प्रबंधन के बारे में जाना जा सकता है। लोकविज्ञान चाहे वह खेती व सिंचाई से संबंधित हो या जंगल में पाए जाने वाले औषधि या पौधे हों, आज भी वृद्ध लोगों के पास सुरक्षित है। बहरहाल, मेरे लिए बरसों बाद अपने क्षेत्र को नजदीक से जानने का यह काम काफी रोमांचक, दिलचस्प और ज्ञानवर्द्धक है। स्थानीय और परंपरागत ज्ञान आज पर्यावरण व जैव विविधता के संरक्षण व संवर्धन में महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसके साथ आधुनिक ज्ञान को सीखकर, दोनों के मेल से पर्यावरण व जैव विविधता का संरक्षण किया जा सकता है। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

अमन-शांति, सुरक्षा और प्रगति के लिए आपसी संवाद ज़रूरी

- प्रो. जसीम मोहम्मद

पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपालजी को सुनने का अवसर मिला। उन्होंने स्पष्ट रूप से इस बात पर ज़ोर दिया कि हिंदू-मुसलमानों के बीच आपसी संवाद का मकसद मुसलमानों को आरएसएस के नज़रिए को मानने के लिए बाध्य करना नहीं है, बल्कि उनकी चिंताओं और कठिनाइयों को ईमानदारी से समझना है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय समाज की संवाद परंपरा यह मानती है कि हर तर्क में कुछ सचाई होती है। आपस में सिर्फ़ एक-दूसरे पर आरोप लगाने या अलग-अलग पक्षों द्वारा सांप्रदायिक उन्माद की घटनाओं का उल्लेख करने से कुछ हासिल नहीं होता। उन्होंने यह उल्लेख किया कि सांप्रदायिक तनाव की असली जड़ 卐दूसरों को अलग-थलग करने卐 में है, जबकि समावेशी स्वरूप में समाज को एकजुट करने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक घटनाएँ कारण नहीं बल्कि लक्षण हैं। हिंदुओं से भी शिकायतें हैं, उनमें भी कमियाँ है, जिन्हें ईमानदारी और पारदर्शिता से दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि असल में युवा पेशेवरों को कौन कट्टरपंथी बनाता है? उन्होंने चेतावनी दी कि चरमपंथी घटनाओं के बाद अक्सर निर्दोष मुसलमानों को गलत तरीके से निशाना बनाया जाता है- जैसे किराए आदि पर उन्हें घर देने से मना करना या पेशेवर जाँच। इनसे अविश्वास और गहरा होता है और अनसुलझी ऐतिहासिक शिकायतें फिर से उभर आती हैं। यह मानते हुए कि ज़्यादातर मुसलमान राष्ट्रवादी हैं, उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस पहचान को खुले तौर पर ज़ाहिर करने में हिचकिचाते हैं।इस अवसर पर कृष्णगोपाल जी ने जवाहरलाल नेहरू के सन् 1948 ई. में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने के आह्वान को याद किया। उन्होंने यह कहते हुए बात खत्म की कि इतिहास को मिटाया नहीं जा सकता। संवाद में हिस्सा लेनेवाले सिर्फ़ उत्प्रेरक का काम कर सकते हैं। सच्ची सद्भावना तभी पैदा होगी जब हिंदू और मुसलमान दोनों ईमानदारी और आपसी सद्भावना के साथ आगे आएँगे। डॉ. कृष्ण गोपालजी का यह विचार स्वाभाविक रूप से हमें एकता के अर्थ के बारे में एक बड़े और ज़्यादा स्थायी सवाल की ओर ले जाता है। अगर संवाद का मकसद 卐दूसरों को अलग-थलग करने卐 को कम करना और शक की जगह समझ पैदा करना है, तो एकता को विश्वास की समानता या तौर-तरीकों की एकरूपता के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता। इसके बजाय, इसे अलग-अलग धर्मों, विचारों और जीवन जीने के तरीकों वाले लोगों की गरिमा और आपसी सम्मान के साथ एक साथ रहने की क्षमता के रूप में समझा जाना चाहिए। एकता का मतलब ज़रूरी नहीं कि सभी के लिए एक जैसा साझा विचार/प्रार्थना/जीवनशैली हो बल्कि इसका मतलब है कि हर किसी को यह समझ हो कि जो लोग उनसे अलग सोचते हैं/काम करते हैं और रहते हैं, उनके साथ शांति और आपसी सम्मान से कैसे रहा जाए। इसका एक उदाहरण भारत जैसे देश का है, जहाँ कई अलग-अलग धर्म, संस्कृति, भाषाएँ और रीति-रिवाज साथ-साथ मौजूद हैं। हम भारतीयों के लिए समग्र रूप से एकता की भावना के माध्यम से अपने रिश्ते को मज़बूत करना महत्वपूर्ण है, जिससे देश में शांति बनी रहे। समाज में आपसी एकता की कमी से छोटे-मोटे मतभेद गंभीर चिंता या झगड़ों में बदल सकते हैं। इसके विपरीत, अगर लोगों के बीच आपसी एकता और समन्वय का मज़बूत रिश्ता हो, तो वे छोटे-बड़े मतभेदों को समझदारी और इज़्ज़त के साथ सुलझा पाएँगे। भारत का इतिहास स्पष्ट रूप से दिखाता है कि सामाजिक विविधता कोई कमज़ोरी नहीं है। हज़ारों सालों से इस देश ने अलग-अलग धर्मों और विचारों का स्वागत किया है। हिंदू धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म, सिख धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और कई दूसरी परंपराएँ यहाँ फली-फूली हैं और रोज़मर्रा की ज़िंदगी, खानेपीने, कपड़ों, भाषा और मूल्यों में एक-दूसरे को प्रभावित किया है। यह साझा सभ्यता और संस्कृति का सफर साबित करता है कि भारत में साथ रहना ज़बरदस्ती नहीं है; यह स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि भारत की वास्तविक शक्ति हर नागरिक को धर्म की पूरी आज़ादी देने में है। उन्होंने साफ कहा है कि हर व्यक्ति को बिना किसी ज़बरदस्ती या दबाव के अपनी पसंद का धर्म मानने, बनाए रखने या अपनाने का पूरा-पूरा अधिकार है। साथ ही, उन्होंने मज़बूती से कहा है कि किसी भी धार्मिक समूह को- चाहे वह बहुसंख्यक हो या अल्पसंख्यक, खुलेआम या चुपके से नफ़रत फैलाने या सामाजिक सद्भाव को ज़हर देने का कोई अधिकार नहीं है। यह संतुलित तरीक़ा, जो धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है और नफ़रत और बंटवारे के खिलाफ एक साफ लाइन खींचता है, संवैधानिक मूल्यों और सभ्यता की नैतिकता में निहित शासन के दर्शन को दिखाता है। आस्था की स्वतंत्रता और सांप्रदायिक भड़कावे के लिए ज़ीरो टॉलरेंस दोनों पर ज़ोर देकर प्रधानमंत्री ने लगातार अंतर-धार्मिक सद्भाव को शांति, राष्ट्रीय एकता और भारत की लंबी अवधि की प्रगति के लिए एक ज़रूरी स्तंभ के रूप में बढ़ावा दिया है।

ममदानी की जीत में भारत के लिए संदेश

अपनी वैचारिक घोषणाओं में ममदानी एक उदार समाजवादी मोर्चे के जदीक हैं। यह एक बहुसंख्यकवादी राज्य को निरंकुशता की ओर खसकने से रोकने के खिलाफ़ एक बहुत ही जरूरी रामबाण उपाय है जसने पिछले एक दशक में लोकतांत्रिक भारत को बदल दिया है। क्तिशाली और विरोधी वैचारिक गुटों के बीच उभरी दुनिया में अहिंसक वतंत्रता संग्राम से स्थापित अपनी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक साख ाले भारत को एक ममदानी की जरूरत है।जोहरान ममदानी ने मैनहट्टन क एक बंद पड़े सबवे में संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े और सबसे हत्वपूर्ण शहर न्यूयॉर्क के मेयर के रूप में पद की शपथ ली। सबवे में पथ लेना एक तरह से शहर के श्रमिकों और हाशिए पर रहने वाले लोगों क साथ ममदानी के संबंधों का प्रतीक है। उन्हें डेमोक्रेटिक सीनेटर बर्नी ैंडर्स ने शपथ दिलाई जो अमेरिकी राजनीति में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति और ोकतांत्रिक समाजवाद के पथप्रदर्शक हैं। उनके साथ कांग्रेस सदस्य लेजेंड्रिया कोर्टेज भी थीं।भारतीय मीडिया में उनके ऐतिहासिक शपथ हण के बारे में शायद ही कोई कवरेज था और न ही इस बात का जिक्र ा कि ममदानी के चुनाव का अमेरिकी राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। 34 वर्षीय राजनेता ने %बिग एप्पल% (न्यूयार्क शहर का उपनाम) का भार संभालने में कई वर्जनाओं को तोड़ दिया जो कि अभिजात वर्ग, मीरों व अरबपतियों और अमेरिकी यहूदियों का गढ़ है।

हालांकि ममदानी और उनकी जीत का भारत में ज्यादा जिक्र नहीं हो हा है। अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और दो बार के डेमोक्रेट गवर्नर एंड्रयू कुओमो को 50 प्रतिशत से अधिक वोटों से हराकर शानदार जीत हासिल करने के बावजूद सरकार ने अपने मीडिया संचालकों के माध्यम से ममदानी को गायब करने की कोशिश की। नस्ल, धर्म, जातीयता व ार्थिक पृष्ठभूमि से ऊपर उठकर और बड़े पैमाने पर आप्रवासी टैग वाले स लाख से अधिक न्यूयॉर्क वासियों ने दुनिया भर में हलचल पैदा करने ाले एक अभूतपूर्व चुनाव में उनके लिए मतदान किया था। यह केवल नका गृह देश भारत है जिसने अपने 34 वर्षीय बेटे को उसकी अभूतपूर्व ीत पर सलाम नहीं किया जो एक असेंबली सदस्य से अमेरिका के बसे अमीर शहर का नेतृत्व करने के लिए उभरा है।ममदानी के पास ऐसी ई बातें हैं जो पहली बार हुई हैं। मसलन, एशियाई व अफ्रीकी मूल के हले अमेरिकी, पहले मुस्लिम और न्यूयॉर्क के सबसे कम उम्र के मेयर। %सलाम बॉम्बे%, %मानसून वेडिंग% और %नेमसेक% जैसी फिल्मों क साथ विश्व स्तर पर प्रशंसित फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। महमूद ममदानी की किताब %गुड मुस्लिम बैड मुस्लिम% हफ्तों तक न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलर बनी रही जो 9/11 के हमले के तुरंत बाद प्रकाशित हुई थी। जोहरान ने कभी भी कुलीन विरासत में पैदा होने का आदर्श नहीं माना है। यह देखते हुए कि न्यूयॉर्क अपनी धरती पर 150 से अधिक राष्ट्रीयताओं की मेजबानी करता है, उन्होंने अप्रवासियों के मुद्दे को उठाया है। धर्मनिरपेक्ष और उदारवादी विचारधारा के ममदानी ने खुद को हर न्यू यॉर्कर की दुर्दशा की परवाह करने वाला दिखाया है। यह देखते हुए कि अमेरिका-इज़रायल पब्लिक अफेयर्स कमेटी (एआईपीएसी) अमेरिका का सबसे बड़ा इज़रायल समर्थक लॉबिंग समूह और न्यूयॉर्क यहूदी फाऊंडेशन ने एंड्रयू कु ओमो के समर्थन में सक्रिय भूमिका निभाई थी, ममदानी ने फिलिस्तीनियों के नरसंहार में नेतन्याहू की भूमिका की आलोचना करने के बाद यहूदी विरोधी भावना के आरोपों से खुद को जल्दी ही दूर कर लिया है। हालांकि चुनाव परिणामों में यहूदी वोटों का विभाजन भी देखा गया, युवा पीढ़ी ममदानी के पक्ष में थी जबकि पुराने, हसीदिक और धनी यहूदी एंड्रयू कुओमो के लिए सामूहिक रूप से मतदान कर रहे थे।राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा ममदानी की सार्वजनिक तौर पर की गई तीव्र निंदा, संघीय धन में कटौती करने की धमकी और खुलेतौर पर डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी कुओमो का समर्थन करने के बावजूद ममदानी की बढ़ती लोकप्रियता में शायद ही कोई सेंध लगी। ममदानी को मार्क्सवादी और राष्ट्र-विरोधी बताते हुए ट्रम्प ने ममदानी के राजनीतिक कैरियर को शुरू होने से पहले ही खत्म करने की कोशिश की। वैसे न्यूयार्क के मेयर ने एक शिष्टाचार बैठक में व्हाइट हाउस में उपस्थित होकर पांसा पलट दिया और सभी न्यूयॉर्कवासियों के हितों को हासिल करने के अपने प्राथमिक उद्देश्य तथा मुफ्त परिवहन और बच्चों की देखभाल, किफायती आवास तथा सरकार द्वारा संचालित किराने की दुकानें प्रदान करने पर जोर दिया जैसा कि उन्होंने अपने चुनाव अभियान में वादा किया था। आश्चर्यजनक रूप से और शायद जनता के मूड को देखते हुए ट्रम्प ने पाला बदल लिया तथा ममदानी को सभी प्रकार के समर्थन का आश्वासन दिया। इस घटना ने वैचारिक रूप से विभाजित दक्षिणपंथी और वामपंथी राजनेताओं के विरोधाभासी चित्रों को दिखाया। एक, जो मतलबी दिमाग, प्रतिशोधी, अप्रत्याशित है और दूसरा, जो चुनौती

देने वाला, प्रतिबद्ध तथा निडर है।दक्षिण अमेरिका में मौजूदा उथल-पुथल में ट्रम्प ने सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों की अवहेलना की और एक संप्रभु देश वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति और उनकी पत्नी पर %कब्जा% कर लिया। अमेरिकी प्रणाली सचमुच ढह गई। मीडिया ने घातक चुप्पी साध ली और सत्ता के इस घोर दुरुपयोग के खिलाफ कांग्रेस एवं सुप्रीम कोर्ट बेआवाज़ हो गया। ऐसी स्थिति में आक्रामकता के इस निर्लज्ज कृत्य को %युद्ध की घोषणा% बताते हुए निंदा करने के लिए ममदानी खड़े हुए।

अपने मुखर विचारों के लिए परिचित ममदानी ने खुद को जन-समर्थक विचारधारा के पक्ष में स्थापित किया है। ममदानी ने नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए उन्हें %फासीवादी% कहा है। फिलिस्तीनियों की अपनी धरती पर एक शांतिपूर्ण मातृभूमि के अधिकार का आह्वान करते हुए ममदानी ने इज़रायली पीएम नेतन्याहू को न्यूयॉर्क में कभी भी न आने की चेतावनी दी क्योंकि वे नेतन्याहू को हजारों असहाय फिलिस्तीनी महिलाओं, बच्चों, बूढ़ों और बीमारों के नरसंहार के लिए %मानवता के खिलाफ अपराध% करने के लिए गिरफ्तार करेंगे। ममदानी के पिता कच्छी गुजराती हैं जबकि मां हिंदू पंजाबी हैं। जोहरान एक सीरियाई मुस्लिम से विवाहित हैं। इस प्रकार वे विश्व बंधुत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं जो उनके स्पष्ट उदारवादी विचारों में प्रतिध्वनित होता है। इसके बावजूद उन्होंने अपने मुस्लिम वंश की पुष्टि करने के लिए ऐतिहासिक पुराने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली थी। ममदानी ने न्यूयॉर्क के सभी पांच नगरों में बड़ी संख्या में मुसलमानों से मुलाकात की थी और उनके लगभग सर्वसम्मत वोट हासिल किए थे।अपनी वैचारिक घोषणाओं में ममदानी एक उदार समाजवादी मोर्चे के नजदीक हैं। यह एक बहुसंख्यकवादी राज्य को निरंकुशता की ओर खिसकने से रोकने के खिलाफ़ एक बहुत ही जरूरी रामबाण उपाय है जिसने पिछले एक दशक में लोकतांत्रिक भारत को बदल दिया है। शक्तिशाली और विरोधी वैचारिक गुटों के बीच उभरी दुनिया में अहिंसक स्वतंत्रता संग्राम से स्थापित अपनी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक साख वाले भारत को एक ममदानी की जरूरत है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बिना किसी कॉर्पोरेट या राजनीतिक समर्थन पर निर्भर रहे बल्कि सिर्फ आम लोगों के समर्थन पर अपने सभी विरोधियों को हराकर अमेरिकियों की नई पीढ़ी के सबसे युवा नेता के रूप में उभरे ममदानी ने नेहरू के प्रतिष्ठित ट्रिस्ट विद डेस्टिनी भाषण को उद्धृत करने का फैसला किया।राजनीतिक विश्लेषक सुनील खिलनानी ने द आइडिया ऑफ इंडिया% में लिखा है- आधुनिक भारतीय राजनीति अपनी प्रतिमा के लिए राष्ट्रवादी शीर्षस्थ नेताओं की छवि को लूटना जारी रखती है जबकि अपने व्यावहारिक संघर्षों में यह राष्ट्रवादी दुनिया और अपने विशिष्ट स्वभाव से दूर और दूर जाती है। पुराने तर्कों और लड़ाइयों की आज वर्तमान पीढ़ी के नए अर्थों और इच्छाओं के साथ पुनरावृत्ति की जाती है- अंबेडकर एक बार फिर गांधी के खिलाफ खड़ा हो गया है, पटेल को नेहरू के खिलाफ लड़ाई में लाया गया है। यहां तक कि जब वे विभाजित होते हैं तो भी ये संघर्ष स्वयं एक साझा इतिहास, एक सांझी भारतीय अतीत की उपस्थिति की गवाही देते हैं.., ये संघर्ष 1947 से भारत के इतिहास की पहचान हैं; और भारत क्या है, इसके विविध विचारों को लगातार शामिल करने की अपनी क्षमता में यह इतिहास अपने आप में भारतीय विचार को व्यक्त करता है।भारत की ताकत इसकी सदियों पुरानी विविधता %वसुधैव कुटुम्बकम (जहां दुनिया को एक परिवार के रूप में देखा जाता है) में निहित है और एक मोनोक्रोमैटिक ब्रश के साथ पेंट करने का कोई भी प्रयास वास्तविक भारतीय कैनवास को जीवंत नहीं कर सकता। जोहरान ममदानी के बहुलवादी, उदार और अमूल्य विचार एक नए भारत के मूल के साथ प्रतिध्वनित होते हैं और उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में खड़ा करते हैं जिसे दुलारा जाना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: वीनस विलियम्स ने वाइल्डकार्ड के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया, इतिहास रचने को तैयार

एजेंसी
मेलबर्न। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए वाइल्डकार्ड दिए जाने पर आयोजकों का आभार जताया है। 45 वर्षीय अमेरिकी दिग्गज इस वाइल्डकार्ड के साथ सिंगल्स मेन ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। वीनस ने पिछले सीजन में 16 महीने के लंबे ब्रेक के बाद टेनिस में वापसी की थी। 2026 की शुरुआत उन्होंने ऑकलैंड क्लासिक से की, जहां वाइल्डकार्ड एंट्री मिलने के बावजूद उन्हें पहले दौर में दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी पोलैंड की मैग्दा लिनेटे से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट इंटरनेशनल में भी उन्हें वाइल्डकार्ड मिला, लेकिन वहां 38 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी टाटजाना मारिया के खिलाफ पहले ही दौर में बाहर हो गईं। यह मुकाबला डब्ल्यूटीए इतिहास का सबसे अधिक संयुक्त उम्र वाला मैच भी रहा। मेलबर्न पार्क में पत्रकारों से बात करते हुए वीनस ने कहा, 'मुझे यहां आए हुए पांच साल हो गए हैं। यह समय बहुत तेजी से बीत गया। टेनिस ऑस्ट्रेलिया द्वारा दिए गए इस मौके के लिए मैं बेहद आभारी हूं। दर्शकों के सामने खेलने का अवसर मिलना मेरे लिए खास है। शहर में घूमते हुए और प्रतियोगिता के दौरान मुझे जबरदस्त समर्थन मिला है। मेरी कोशिश रहेगी कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।'

मेनिन्जाइटिस से जंग जीतकर लौटे डेमियन मार्टिन, बोले- '2026 के लिए तैयार हूं'

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर डेमियन मार्टिन ने मेनिन्जाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से चमत्कारी रूप से उबरने के बाद सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा की है। 54 वर्षीय मार्टिन ने एक्स पर लिखा, '2026 के लिए तैयार हूं, मैं वापस आ गया हूं'। साथ ही उन्होंने और अपने परिवार, दोस्तों व शुभचिंतकों का आभार जताया। डेमियन मार्टिन पिछले महीने अचानक बीमार पड़ गए थे। हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मेनिन्जाइटिस होने की पुष्टि की। यह बीमारी दिमाग और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्लियों में सूजन पैदा करती है। इलाज के दौरान उन्हें करीब एक हफ्ते से ज्यादा समय तक कृत्रिम कोमा (इंड्यूस्ड कोमा) में रखा गया था। अपने पोस्ट में मार्टिन ने लिखा, '27 दिसंबर 2025 को मेरी जिंदगी मेरे हाथों से निकल गई थी, जब मेनिन्जाइटिस ने मेरे दिमाग को अपनी चपेट में ले लिया। मुझे बिना मेरी जानकारी के 8 दिनों के लिए पैरालाइज्ड कोमा में रखा गया, ताकि मैं इस खतरनाक बीमारी से लड़ सकूं और मैं लड़ा।' उन्होंने आगे बताया कि डॉक्टरों ने उनके बचने की संभावना 50-50 बताई थी। कोमा से बाहर आने के बाद वह न चल पा रहे थे और न ही बोल पा रहे थे, लेकिन महज चार दिन के भीतर उन्होंने न सिर्फ चलना और बोलना शुरू कर दिया, बल्कि डॉक्टरों को भी हैरान कर दिया। इसके बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब वे रिकवरी के दौर में हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 खेलों में 323 असिस्टेंट कोच पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 26 खेल विधाओं में 323 असिस्टेंट कोच पदों पर भर्ती के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। खेल प्राधिकरण, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था है, जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के तहत पंजीकृत है। चयनित असिस्टेंट कोचों की तैनाती देशभर में स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों या प्रशिक्षण केंद्रों में की जाएगी। इन पदों के लिए वेतनमान लेवल-6 के तहत ?35,400 से ?1,12,400 तक होगा (पूर्व में पे बैंड-द्वितीय ?9,300-34,800 + ग्रेड पे ?4,200)। असिस्टेंट कोच पदों के लिए जिन खेलों में रिक्तियां निकाली गई हैं, उनमें एथलेटिक्स (28), तीरंदाजी (12), बैडमिंटन (16), बास्केटबॉल (12), बॉक्सिंग (19), कैनोइंग (7), साइक्लिंग (12), फेंसिंग (11), हॉकी (13), फुटबॉल (12), जिम्नास्टिक्स (12), हैंडबॉल (6), जूडो (6), कबड्डी (6), खो-खो (2), रोइंग (11), सेपक टकरॉ (3), शूटिंग (28), स्विमिंग (26), टेबल टेनिस (14), ताइक्वांडो (11), टेनिस (8), वॉलीबॉल (10), वेटलिफ्टिंग (10), कुश्ती (22) और वुशु (6) शामिल हैं।

'सैल्यूट इंडियन आर्मी कप' में डाक्टर लूथरा इलैवन का दबदबा, पैंथर क्रिकेट क्लब को 85 रन से हराया

चंडीगढ़। दिव्या पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ में खेले गए सैल्यूट इंडियन आर्मी कप मुकाबले में डाक्टर लूथरा इलैवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैंथर क्रिकेट क्लब को 85 रन से करारी शिकस्त दी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी डाक्टर लूथरा इलैवन की शुरुआत बेहद धीमी रही। टीम ने दोनों ओपनर मात्र 12 रन के स्कोर पर गंवा दिए और पहले 11 ओवर में केवल 46 रन ही बना सकी। हालांकि इसके बाद तीसरे नंबर पर आए हरविंदर नैन (58 रन) और सिकंदर राणा (71 रन, नाबाद)* ने मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। दोनों बल्लेबाजों ने अगले 9 ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाया। सिकंदर राणा ने सिर्फ 34 गेंदों में एक छक्का और 12 चौकों की मदद से नाबाद 71 रन बनाए। वहीं कमल अरोड़ा ने भी 13 गेंदों में 23 महत्वपूर्ण रन जोड़कर टीम के स्कोर को मजबूती दी। निर्धारित ओवरों में डाक्टर लूथरा इलैवन ने 4 विकेट के नुकसान पर 175 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। पैंथर क्लब की ओर से आर्यन, बाबू लाल, प्रियांशु और अभिषेक जूनियर ने 1-1 विकेट लिया।

अंडर-19 विश्व कप 2026 : श्रीलंका की शानदार जीत पर कप्तान दिनसारा बोले-टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं

एजेंसी
नई दिल्ली। श्रीलंका अंडर 19 टीम के कप्तान विमथ दिनसारा ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 में अपनी टीम के पहले मैच में जीत पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम अच्छी है और मैं अपनी टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं।

नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए ग्रुप सी के मुकाबले में श्रीलंका ने दिमंथा महाविथाना (115 रन) और वीरन चामुदिता (192 रन) की शानदार पारियों की बदौलत जापान अंडर 19 टीम को 200 रन के विशाल अंतर से हरा दिया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी श्रीलंकाई टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 4 विकेट खोकर 387 रन बनाए। इसके जवाब में जापान की टीम 8 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। अपने पहले मैच में जीत के साथ श्रीलंका ने अंडर 19 विश्व कप 2026 का शानदार आगाज किया है।

आईसीसी के अनुसार कप्तान विमथ दिनसारा ने मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों (दिमंथा-वीरन) की प्रशंसा करते हुए उनकी शानदार फॉर्म को इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि वे बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। हमारी शुरुआत अच्छी रही।

दिनसारा ने जीत पर कहा कि मुझे बहुत खुशी हुई है, क्योंकि यह टूर्नामेंट का हमारा पहला मैच था। हमारी टीम अच्छी है और मैं अपनी टीम से बहुत खुश हूं। उनकी टीम द्वारा बल्ले से 4 विकेट पर 387 रन का स्कोर बनाने के बाद जापान को मात्र 184/8 पर रोक दिया, जिसमें आठ अलग-अलग गेंदबाजों का उपयोग किया गया। ये अवसर संभवतः टीम के लिए टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए फायदेमंद साबित होंगे। दिनसारा ने कहा कि यह तय करना मुश्किल नहीं है कि किसे और कब गेंदबाजी करनी है। मेरी टीम में इतने सारे गेंदबाज हैं और इतने सारे विकल्प होना मेरे लिए खुशी की बात है। श्रीलंका का अगला मैच सोमवार को आयरलैंड से होगा। वहीं जापान मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम से भिड़ेगा।

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय बना उत्तर क्षेत्र विश्वविद्यालय हॉकी चैंपियन

एजेंसी
हरिद्वार। वंदना कटारियॉ स्टेडियम में सात दिनों तक चली उत्तर-क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय हॉकी चैम्पियनशिप का फाइनल गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार और एलपीयू, फग्वाडा के बीच खेला गया।फाइनल मुकाबले में गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय ने एलपीयू को 5-2 से हराकर चैम्पियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा किया। एलपीयू, फग्वाडा उपविजेता रही, जबकि तीसरे स्थान पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला को 2-1 से हराया।गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के तत्वाधान में आयोजित इस उत्तर क्षेत्र हॉकी चैंपियनशिप में आज अपराह्न फाइनल मैच आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि और रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा और आयोजन अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार चौहान ने हॉकी के पुराने खिलाड़ियों और गुरूकुल कांगड़ी के संस्थापक स्वामी श्रद्धानंद के 100वें बलिदान वर्ष को सम्मानित करते हुए आयोजन को उनके नाम समर्पित किया।

अंडर-19 वर्ल्ड कप: भारत ने बांग्लादेश को डीएलएस पद्धति से 18 रन से हराया, लगातार दूसरी जीत

एजेंसी
बुलावायो। अंडर-19 विश्व कप में भारत ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बांग्लादेश को बारिश से प्रभावित मुकाबले में डीएलएस पद्धति के तहत 18 रन से मात दी। यह टूर्नामेंट में भारतीय टीम की लगातार दूसरी जीत है। खेले गए इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत की टीम 48.4 ओवर में 238 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बारिश के कारण लक्ष्य को संशोधित कर बांग्लादेश को 29 ओवर में 165 रन का टारगेट दिया गया, लेकिन पूरी टीम 28.3 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। भारत की पारी में वैभव सूर्यवंशी और अभिज्ञान कुंडू ने अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने 67 गेंदों में 72 रन की तेज पारी खेली, जबकि अभिज्ञान कुंडू ने 112 गेंदों पर 80 रन बनाकर पारी को संभाले रखा और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने एक समय मजबूत स्थिति बना ली थी। 21 ओवर में 2 विकेट पर 106 रन बनाकर उसकी जीत आसान

लग रही थी। लेकिन विहान मल्होत्रा ने कलाम सिद्दीकी अलीन को आउट कर मैच का रुख बदल दिया। इसके बाद बांग्लादेश की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने अपने आखिरी आठ विकेट महज 40 रन के भीतर गंवा दिए। भारत की ओर से विहान मल्होत्रा ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके। खिलान पटेल को दो सफलता मिली, जबकि दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल और कनिष्क चौहान ने एक-एक विकेट हासिल किया। बांग्लादेश के लिए कप्तान अजिजुल हकीम ने सबसे ज्यादा 51 रन बनाए। मैच समाप्त होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आपस में हाथ मिलाकर खेल भावना का परिचय दिया। इससे पहले टॉस के दौरान बांग्लादेश के उपकप्तान जवाद अबरार द्वारा भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे से हाथ न मिलाने का मामला सामने आया था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 से पहले बोले जोकोविच- 'मैं अब भी किसी को भी हरा सकता हूं'

एजेंसी
मेलबर्न। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि पैरों में थोड़ी कमी के बावजूद वह ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का खिताब जीतने की चुनौती पेश करने को लेकर पूरी तरह आत्मविश्वासी हैं। 38 वर्षीय जोकोविच का मानना है कि अगर सब कुछ उनके पक्ष में रहा तो वह अब भी किसी भी खिलाड़ी को हराने में सक्षम हैं। जोकोविच रिकॉर्ड बढ़ाते हुए 11वां ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब और ऐतिहासिक 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने की कोशिश में हैं। ऐसा करने पर वह ऑस्ट्रेलिया की मार्गरेट कोर्ट को पीछे छोड़ देंगे। हालांकि मौजूदा समय में विश्व नंबर-1 यैनिक सिनर और कार्लोस अल्कराज कड़े चुनौतीकर्ता बने हुए हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में दबदबा बनाया है। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज जोकोविच ने पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी के उभार के बावजूद उनके खेल पर उनका भरोसा बरकरार है।

टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर जोकोविच ने कहा, 'जब मैं पूरी तरह फिट रहता हूं और किसी दिन अपने खेल के सभी पहलुओं को जोड़ पाता हूं, तो मुझे अब भी लगता है कि मैं किसी को भी हरा सकता हूं। अगर मुझे ऐसा विश्वास नहीं होता, तो मैं यहां प्रतिस्पर्धा करने नहीं आता। मेरे अंदर अब भी वही जज्बा है।'

जोकोविच ने माना कि फिलहाल सिनर और अल्कराज बाकी खिलाड़ियों से एक स्तर ऊपर खेल रहे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि अन्य खिलाड़ियों के पास मौका नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह सच है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि और कोई जीत नहीं सकता। खासकर मेलबर्न में, मुझे किसी भी टूर्नामेंट में अपनी संभावनाएं पसंद हैं।'

पिछले दो वर्षों से 25वें ग्रैंड स्लैम की तलाश में जुटे जोकोविच ने कहा कि वह खुद पर इस लक्ष्य का दबाव नहीं डालना चाहते। उन्होंने कहा, '25वें खिताब को लेकर काफी बातें हो रही हैं, लेकिन मैं इस पर ध्यान देने की कोशिश करता हूं कि मैंने अब तक क्या हासिल किया है। 24 भी कोई बुरा आंकड़ा नहीं है। मुझे अपने करियर की सराहना करनी चाहिए और खुद पर अनावश्यक दबाव कम करना चाहिए।'

पूर्व विश्व नंबर-1 जोकोविच ने नवंबर की शुरुआत में एथेंस में लोरेंजो मुसेटी को फाइनल में हराने के बाद से कोई टूर-स्तरीय मुकाबला नहीं खेला है। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने मामूली शारीरिक समस्या के चलते एडिलेड इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया था और स्वीकार किया कि वह अब शारीरिक रूप से अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में नहीं हैं।

डब्ल्यूपीएल 2026: दिल्ली पर शानदार जीत के बाद स्मृति मंधाना ने गेंदबाजों की सराहना की

एजेंसी
नवी मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 सीजन के 11वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार जीत के बाद टीम की गेंदबाजी इकाई की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि टीम के सभी गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मंधाना ने मैच के बाद कहा कि यह देखना अद्भुत था कि सभी ने कितनी प्रभावी गेंदबाजी की, खासकर पहले तीन ओवरों में, जब हमने दिल्ली की मजबूत शुरुआत को तोड़ते हुए चार विकेट लिए। सायली सतघरे ने पदार्पण मैच में दो महत्वपूर्ण विकेट लिए और फिर बेल (लॉरेन बेल) ने वही किया जो वह सबसे अच्छा करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि सभी ने अपनी योजनाओं को अच्छी तरह से निष्पादित किया। जिस तरह शैफाली वर्मा बल्लेबाजी कर रही थी, वह वास्तव में शानदार थी। उस समय हमने

रणनीतियों में बदलाव किया और उसे सीमित रन देने की कोशिश की। हम जानते थे कि शैफाली एक ऐसी बल्लेबाज हैं जो बड़े स्कोर तक पहुंच सकती हैं, इसलिए हमें उसे जल्द आउट करना जरूरी था। यह कहना आसान है, लेकिन पूरी टीम ने योजनाओं को बेहतरीन तरीके से अंजाम दिया। मंधाना ने अन्य गेंदबाजों की भी तारीफ करते हुए कहा कि प्रेमा और राधा ने अच्छी गेंदबाजी की और उस चरण में जो भी गेंदबाज आया, उसने असाधारण प्रदर्शन किया। अपनी बल्लेबाजी के बारे में मंधाना ने कहा कि यह एक अच्छी पारी थी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करना अक्सर लक्ष्य निर्धारित करने की तुलना में थोड़ा आसान होता है, क्योंकि बल्लेबाज को पता होता है कि क्या करना है, खासकर ऐसी विकेटों पर। जब दिल्ली ने लगभग 160 रन बनाए और हमने ग्रेस को जल्दी खो दिया, तो मुझे स्पष्ट था कि किन गेंदबाजों को आक्रमण करना है और किनका सम्मान करना है। ये छोटी-छोटी बातें हैं जो कभी काम करती हैं और कभी टी20 क्रिकेट में नहीं, लेकिन खुशी है कि आज यह हमारे पक्ष में गया और हमने मैच जीत लिया। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शैफाली वर्मा की 62 रन की पारी की बदौलत 20 ओवर में सभी 10 विकेट खोकर 166 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार 96 रन और जॉर्जिया वॉल की 54 रन की अर्धशतकीय पारी की मदद से 18.2 ओवर में दो विकेट पर 169 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया।

बीडब्ल्यूएफ इंडिया ओपन: एन से-यंग ने 32 मिनट में इंतानोन को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी
नई दिल्ली। विश्व नंबर-1 दक्षिण कोरियाई शटलर एन से-यंग ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड की विश्व नंबर-8 खिलाड़ी राचानोक्त इंतानोन को महज 32 मिनट में सीधे गेमों में पराजित कर सत्र के अपने दूसरे फाइनल में प्रवेश किया। इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए मुकाबले में से-यंग ने इंतानोन को 21-11, 21-7 से शिकस्त दी। मुकाबले की शुरुआत से ही एन से-यंग ने दबदबा बना लिया और लगातार छह अंक जीतकर बढ़त हासिल की। अपने सटीक नियंत्रण और आक्रामक खेल से उन्होंने प्रतिद्वंद्वी को संभलने का कोई मौका नहीं दिया और पहला गेम आसानी से 21-11 से अपने नाम किया। दूसरे गेम की शुरुआत अपेक्षाकृत बराबरी की रही और दोनों खिलाड़ियों के बीच अंक बंटते हुए स्कोर 4-4 तक पहुंचा। हालांकि इसके बाद एन से-यंग ने गियर बदलते हुए तेज आक्रमण किया और लगातार अंक बटोरते हुए 16-5 की बड़ी बढ़त बना ली। बेहतरीन निरंतरता और लगभग त्रुटिहीन खेल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने दूसरा गेम 21-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ एन से-यंग ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ लगातार 29 मैचों की जीत का रिकॉर्ड भी कायम कर लिया। उन्होंने सत्र की शुरुआत मलेशिया ओपन में शानदार प्रदर्शन के साथ की थी, जहां उन्होंने लगातार तीसरा खिताब जीता था। अब इंडिया ओपन के फाइनल में जगह बनाकर वह लगातार दूसरे सप्ताह खिताब जीतने के करीब पहुंच गई हैं। पिछले साल दक्षिण कोरियाई स्टार ने एक ही सत्र में 11 खिताब जीतकर इतिहास रचा था और वह कैलेंडर वर्ष में 10 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक इनामी राशि कमाने वाली पहली बैडमिंटन खिलाड़ी बनी थीं।

मुख्यमंत्री के ड्रीम स्टेडियम पर फिर ताला, जर्मन कप रद्द

एजेंसी
मेदिनीपुर। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयमा गांव स्थित मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ड्रीम प्रोजेक्ट माने जाने वाले स्टेडियम को एक बार फिर निराशा का सामना करना पड़ा है। बुनियादी ढांचे और संपर्क व्यवस्था की कमी के कारण यहां प्रस्तावित अंडर-17 'जर्मन कप' फुटबॉल टूर्नामेंट के जिला स्तरीय मुकाबले रद्द कर दिए गए हैं।

एक समय माओवादियों का गढ़ रहे शालबनी के भीमपुर संलग्न कोयमा क्षेत्र में राज्य पुलिस का कैंप था, जिसे माओवादी हिंसा के दौरान आग के हवाले कर दिया गया था। सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहल पर उसी कोयमा में एक सरकारी कॉलेज की स्थापना की गई। इसके साथ ही क्षेत्र के युवाओं के खेल विकास के उद्देश्य से कॉलेज के पश्चिम में लगभग साढ़े 13 एकड़ भूमि पर एक विशाल स्टेडियम का निर्माण कराया गया। वर्ष 2017 के अप्रैल माह में मुख्यमंत्री के हाथों स्टेडियम का उद्घाटन हुआ, लेकिन इसके बावजूद

यहां नियमित खेल गतिविधियां शुरू नहीं हो सकीं। करीब छह करोड़ रुपये की लागत से बने इस स्टेडियम की वर्षों तक उपेक्षा होती रही। मैदान में 'मैक्सिकन घास' की जगह जंगली घास उग आई थी, जबकि गैलरी, वीआईपी बॉक्स और ड्रेसिंग रूम भी जर्जर हालत में पहुंच गए थे। हाल ही में पश्चिम मेदिनीपुर जिला पुलिस की पहल पर अंडर-17 स्कूल छात्रों के लिए आयोजित 'जर्मन कप' फुटबॉल टूर्नामेंट के जिला स्तरीय मुकाबलों के लिए कोयमा स्टेडियम को चुना गया था। इसके बाद शालबनी ब्लॉक प्रशासन और पंचायत समिति की ओर से युद्धस्तर पर पहल करते हुए लगभग चार लाख रुपये खर्च कर मैदान और स्टेडियम की मरम्मत कराई गई। शनिवार दोपहर जिलाधिकारी विजिन कृष्णा और पुलिस अधीक्षक पलाशचंद्र ढाली सहित जिला एवं ब्लॉक प्रशासन तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मैदान का निरीक्षण किया। मैदान की स्थिति में सुधार पाए जाने के बावजूद अधिकारियों ने संपर्क व्यवस्था और अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर चिंता जताई। इसके बाद जिला पुलिस और प्रशासन की ओर से आधिकारिक सूचना जारी कर बताया गया कि कोयमा स्टेडियम को जर्मन कप के लिए 'अनुपयुक्त' माना गया है।

एशियन बॉक्सिंग काउंसिल के सदस्य नियुक्त हुए ओलंपिक पदक विजेता विजेंदर सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय बॉक्सिंग के दिग्गज और ओलंपिक पदक विजेता विजेंदर सिंह को एशियन बॉक्सिंग काउंसिल का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक तक उनके सफर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। भारतीय बॉक्सिंग में ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी विजेंदर सिंह के पास करीब दो दशक का अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। उन्होंने शौकिया और पेशेवर, दोनों स्तरों पर बॉक्सिंग में देश का नाम रोशन किया है। एशियन बॉक्सिंग काउंसिल में उनकी नियुक्ति खेल की गहरी समझ और एशिया में बॉक्सिंग के विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विजेंदर सिंह ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'एशियन बॉक्सिंग काउंसिल का सदस्य बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। इसके लिए मैं बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और उसके नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझ पर यह जिम्मेदारी सौंपी। मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस भूमिका को पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास करूंगा। जैसे हमने बीजिंग ओलंपिक में इतिहास रचा था, उसी तरह मैं एशियाई बॉक्सिंग के विकास के लिए, खासकर भारतीय मुक्केबाजों पर फोकस करते हुए, काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं ताकि हमारे खिलाड़ी भविष्य में और बड़ी सफलता हासिल कर सकें।' एशियन बॉक्सिंग काउंसिल एशिया महाद्वीप में बॉक्सिंग की प्रतिस्पर्धी और विकासात्मक रूपरेखा तय करने में अहम भूमिका निभाती है। विजेंदर की मौजूदगी से परिषद के नीतिगत निर्णयों, प्रशासन और दीर्घकालिक योजनाओं में 'एथलीट-फर्स्ट' दृष्टिकोण को मजबूती मिलने की उम्मीद है। विजेंदर सिंह भारत के सबसे चर्चित और सम्मानित खिलाड़ियों में शुमार हैं। उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के अलावा कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में भी कई पदक अपने नाम किए हैं। शौकिया करियर के बाद उन्होंने पेशेवर बॉक्सिंग में भी सफलतापूर्वक कदम रखा, जिससे उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान और मजबूत हुई। विजेंदर सिंह की यह नियुक्ति भारतीय बॉक्सिंग के लिए गर्व का क्षण मानी जा रही है और यह वैश्विक खेल प्रशासन में भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती मौजूदगी को भी रेखांकित करती है।

ट्राइबल गेम्स-2026 के लिए 19 जनवरी को बिलासपुर में होंगे ट्रायल

एजेंसी
धर्मशाला। युवा सेवा एवं खेल विभाग द्वारा खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 जोकि छतीसगढ़ में 14 फरवरी से प्रस्तावित हैं के लिए हिमाचल प्रदेश के जन-जातीय खिलाड़ियों के लिए ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान एथलेटिक्स, स्वीमिंग, भारोतोलन, कुश्ती, हॉकी एवं फुटबॉल के महिला एवं पुरुषों की खेल स्पर्धाओं की टीमों के चयन के लिए ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं।

अतिरिक्त निदेशक, युवा सेवा एवं खेल, हिमाचल प्रदेश हितेश आज़ाद ने बताया कि प्रस्तावित खेलों में से एथलेटिक्स महिला एवं पुरुष, तीरंदाजी (रिकर्व एवं कम्पाउंड) महिला एवं पुरुष तथा फुटबॉल महिला एवं पुरुष खेलों के ट्रायल जिला खेल कार्यालय, लुहणू ग्राउंड, बिलासपुर में 19 जनवरी को आयोजित किए जा रहे हैं। ट्रायल हेतु खिलाड़ियों का पंजीकरण प्रातः 10 बजे से आरम्भ होगा। सभी इच्छुक खिलाड़ी अपना हिमाचली प्रमाण पत्र, जन-जातीय प्रमाण पत्र तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो सहित परीक्षण केंद्र कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य खेलों स्वीमिंग, भारोत्तोलन, कुश्ती, हॉकी के ट्रायल पूर्व निर्धारित स्थान इंदिरा स्टेडियम ऊना में ही निर्धारित कार्यक्रमानुसार आयोजित किए जाएंगे।

पीडब्ल्यूएल 2026 : हरियाणा थंडर्स का अपराजेय अभियान जारी, दिल्ली पर 6-3 से दर्ज की जीत

एजेंसी
नोएडा। जापानी दिग्गज युई सुसाकी ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा थंडर्स को प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 के पांचवें मैच में दिल्ली दंगल वॉरियर्स के खिलाफ 6-3 की प्रभावशाली जीत दिलाई। सुसाकी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात्र 57 सेकंड में मुकाबला जीतकर लीग इतिहास की सबसे तेज़ तकनीकी जीत का रिकॉर्ड बनाया। इस जीत के साथ हरियाणा ने अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए चार अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। सुसाकी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि दिल्ली दंगल वॉरियर्स के तुरान बायरामोव को फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।मैच के बाद हरियाणा थंडर्स की कप्तान युई सुसाकी ने कहा, 'आज का मुकाबला अच्छा रहा और मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। मेरा लक्ष्य निर्णायक तरीके से जीत दर्ज करना था, चाहे वह पिन के जरिए हो या तकनीकी श्रेष्ठता से और मैं अपनी योजना को अच्छे से लागू कर पाई। टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया और सभी खिलाड़ियों का प्रयास उत्साहजनक रहा।'

दिल्ली दंगल वॉरियर्स के कप्तान सुजीत कलकल ने कहा, 'हमारी उम्मीद जीत की थी, लेकिन शुरुआती कुछ मुकाबले हमारे पक्ष में नहीं गए। ये मुकाबले कड़े और करीबी थे, एकतरफा नहीं, लेकिन आज हमारा दिन नहीं था। हम हार से सीख लेंगे। टीम के रूप में खुद को दोबारा संगठित करेंगे और आगामी मुकाबलों में मजबूत वापसी करेंगे।' हरियाणा ने शुरुआत 76 किग्रा महिला वर्ग में काजल धोचक के जरिए शानदार अंदाज में की। कड़े मुकाबले में काजल ने अनास्तासिया अल्पयेवा को 6-5 से हराया। दूसरे पीरियड में बनाई गई मामूली बढ़त को उन्होंने अंत तक बरकरार रखते हुए हरियाणा को शुरुआती बढ़त दिलाई।

इसके बाद 57 किग्रा पुरुष वर्ग में अंकुश चंद्रम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए शुभम कौशिक को 13-3 से पराजित कर हरियाणा की बढ़त 2-0 कर दी। मैच का निर्णायक क्षण 53 किग्रा महिला मुकाबले में आया, जहां युई सुसाकी ने अपनी गति, तकनीक और आक्रामकता का बेहतरीन नमूना पेश किया। सारिका को पूरी तरह दबाव में रखते हुए सुसाकी ने मात्र 57 सेकंड में 16-0 की तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की, जो न केवल मुकाबले का रुख तय करने वाला पल था बल्कि एक नया लीग रिकॉर्ड भी बना। इसके बाद हैवीवेट वर्ग में अनिरुद्ध गुलिया ने रोनक को 13-0 से हराकर हरियाणा की पकड़ और मजबूत कर दी।57 किग्रा महिला वर्ग में नेहा सांगवान ने कनाडा की कार्ला गोंजालेज को तकनीकी श्रेष्ठता से पराजित कर हरियाणा के लिए पांचवीं जीत सुनिश्चित की और मैच लगभग सील कर दिया।

दिल्ली को पहली सफलता 65 किग्रा पुरुष वर्ग में मिली, जहां कप्तान सुजीत कलकल ने रणनीतिक मुकाबले में तुमुर ओचिर तुलगा को 2-1 से हराया। हालांकि, हरियाणा ने जल्द ही वापसी करते हुए 62 किग्रा महिला वर्ग में इरीना कोलियाडेंको के शानदार प्रदर्शन के दम पर अंजली को 13-0 से हराकर दिल्ली की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। 74 किग्रा पुरुष वर्ग में दिल्ली के तुरान बायरामोव ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 8-1 से जीत दर्ज की और दिल्ली के लिए दूसरा मुकाबला अपने नाम किया। 86 किग्रा पुरुष वर्ग का अंतिम मुकाबला बिना खेले ही दिल्ली दंगल वॉरियर्स के नाम रहा, क्योंकि हरियाणा थंडर्स की ओर से फॉरफिट किया गया। इस 6-3 की जीत के साथ हरियाणा थंडर्स ने दो मैचों में चार अंकों के साथ पीडब्ल्यूएल 2026 अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और शुरुआती खिताबी दावेदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक आईसीएसआई के सदस्यों को देगा विशेष बैंकिंग सुविधा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े लघु वित्त बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के सदस्यों के लिए विशेष बैंकिंग सुविधाओं को मुहैया कराने की घोषणा की है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने आईसीएसआई के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत देशभर के कंपनी सचिवों के लिए विशेष रूप से तैयार बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड समाधान पेश किए जाएंगे। बैंक ने एक बयान में कहा कि इस एमओयू का मकसद आईसीएसआई के सदस्यों को व्यापक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना और बैंक के भीतर कंपनी सचिवों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। इस साझेदारी के तहत आईसीएसआई के सदस्यों को विशेष रूप से तैयार चालू और बचत खाता सेवाओं और एक पेशेवर प्रासंगिक क्रेडिट कार्ड का लाभ मिलेगा। इसके लाभों को शासन, कार्य प्रबंधन और व्यक्तिगत वित्त की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

पीएम विश्वकर्मा हाट-2026 का आयोजन दिल्ली हाट में 18 से 31 जनवरी तक

नई दिल्ली। पीएम विश्वकर्मा हाट-2026 का आयोजन दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली में 18 से 31 जनवरी तक होगा। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन रविवार, 18 जनवरी को केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी करेंगे। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने बताया कि यह आयोजन 18 से 31 जनवरी तक नई दिल्ली स्थित दिल्ली हाट, आईएनए में किया जाएगा। इसका उद्घाटन केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और एमएसएमई राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे करेंगे। इस प्रदर्शनी में देशभर के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 117 से ज्यादा कारीगर हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत आयोजित यह प्रदर्शनी सुबह 10:30 से रात 10 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा। मंत्रालय ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा हाट का मकसद भारत की पारंपरिक कारीगरी की समृद्ध विरासत का जश्न मनाना और उसे प्रदर्शित करना है। साथ ही कारीगरों को अपने हाथ से बने प्रोडक्ट्स को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, स्टेकहोल्डर्स और आम जनता के सामने दिखाने और बेचने के लिए एक खास प्लेटफॉर्म देना है।

पीएफ निकासी से पेंशन पेमेंट सिस्टम तक हुए कई बदलाव, हर कर्मचारियों को जानने चाहिए ये नियम

नई दिल्ली। कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बीते साल 2025 बहुत खास रहा, क्योंकि इस दौरान कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ से जुड़े कई अहम बदलाव किए हैं। ये ऐसे बदलाव हैं, जो लगभग सभी कर्मचारियों और पेंशनर्स पर असर डालते हैं। चाहे आप अपनी नौकरी बदल रहे हों, पीएफ निकालने की तैयारी कर रहे हों या नए कर्मचारी हों, आपके लिए इन बदलावों को समझना बेहद जरूरी है। ईपीएफ योजना में कई प्रावधान होने के कारण पहले पीएफ निकासी प्रक्रिया जटिल थी, ईपीएफ निकासी प्रावधानों को 13 पैराग्राफ से एक पैराग्राफ में सरल बनाया गया है, जिसमें सरल पात्रता शर्तें शामिल हैं, सदस्य अब 75 फीसदी तक पीएफ आसानी से निकाल सकते हैं, जबकि शेष 25 फीसदी सेवानिवृत्ति बचत के लिए खाते में रखना होगा। अब पहले की 13 कैटेगरी को अब तीन में मिला दिया गया है, जिसमें जरूरी जरूरतें (बीमारी, पढ़ाई, शादी), घर से जुड़ी जरूरतें और विशेष परिस्थितियां शामिल हैं, जबकि अब आंशिक निकासी के लिए न्यूनतम सेवा अवधि सिर्फ 12 महीने है। मैनुअल क्लेम प्रोसेसिंग के कारण क्लेम सेटलमेंट में देरी होती थी, जिसमें सुधार किया गया है। पहले ऑटो एडवांस क्लेम सुविधा, जो पहले बीमारी के लिए थी, उसे घर, शादी और पढ़ाई तक बढ़ाया गया। इसकी लिमिट को 2025 में 5 लाख रुपया किया गया है, जबकि 47.48 फीसदी कुल क्लेम और 72.09 फीसदी एडवांस क्लेम ऑटो मोड में सेटल होते हैं।

भारत-ईयू के बीच एफटीए सबसे महत्वपूर्ण समझौता साबित होगा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 'सबसे महत्वपूर्ण समझौता' साबित होगा। इसके साथ ही गोयल ने कहा कि यह समझौता भारत और ईयू दोनों के लिए अच्छा और पारस्परिक रूप से लाभकारी साबित होगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में स्टार्टअप पे चर्चा संवाद को संबोधित करते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने बताया कि नए और उभरते भारत में सबसे स्पष्ट बदलाव देश के युवाओं में बढ़ता आत्मविश्वास है।

उन्होंने कहा कि आज के युवा जोखिम उठाने, उद्यमशीलता अपनाने और नए विचारों पर काम करने को अत्यंत इच्छुक हैं। यह करियर विकल्पों को लेकर पहले जो झिझक थी उसमें उल्लेखनीय परिवर्तन का संकेत है। गोयल ने कहा कि हमारे स्टार्टअप्स 50 से ज?यादा क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। स्टार्टअप्स की क्रांति आज पूरे भारत की कहानी बन चुकी है। हमें नए प्रोडक्ट्स बनाने होंगे। हमें दुनिया के बेस्ट क्वालिटी के प्रोडक्ट्स बनाने होंगे। टेक्नोलॉजी में भी अनोखे विचार पर काम करके नेतृत्व लेनी होगी। उन्होंने कहा कि भविष्य इसी का है। मैं आपको भरोसा देता हूं, आपके हर प्रयास में सरकार आपके साथ खड़ी है।

व्यापार करने में आसानी, एफटीए और नीतिगत सुधारों से भारत बना आत्मनिर्भर और विश्वसनीय अर्थव्यवस्था : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि व्यापार करना आसान बनाने वाली नीतियां, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और लोगों का बढ़ता विश्वास भारत को एक आत्मनिर्भर, मजबूत और दुनिया में भरोसेमंद अर्थव्यवस्था बना रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साल 2025 में किए गए बड़े और मजबूत सुधारों से स्टार्टअप, छोटे और मध्यम उद्योग (एमएसएमई), निर्यात और निवेश को नई ऊर्जा मिली है। मंत्री ने कहा कि ये नीतिगत फैसले भारत के भविष्य को मजबूत बना रहे हैं और देश को वैश्विक अर्थव्यवस्था में नई पहचान दिला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि व्यापार करने में आसानी, मुक्त व्यापार समझौते और जनता

का भरोसा जैसे अहम कदम भारत को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी और विश्वसनीय अर्थव्यवस्था की ओर ले जा रहे हैं। मंत्री की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब भारत तेजी से विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते कर रहा है, ताकि कारोबारियों और उद्यमियों के लिए नए मौके तैयार किए जा सकें।

शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'स्टार्टअप पे चर्चा' कार्यक्रम में बोलते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि हाल के मुक्त व्यापार समझौतों से भारतीय सामान और सेवाओं को नए विदेशी बाजार मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से निवेशकों को भरोसा और स्थिरता मिलती है, जिससे वे भारत में निवेश करने के लिए आगे आ रहे हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि ये व्यापार समझौते स्टार्टअप और उद्यमियों को दुनिया भर में अपने कारोबार को आगे बढ़ाने के बड़े अवसर दे रहे हैं। उन्होंने भारतीय स्टार्टअप्स से अपील की कि वे विदेशी स्टार्टअप्स के साथ मिलकर काम करें, खासकर सेवा क्षेत्र, परिवहन, डिजिटल भुगतान, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और आधुनिक तकनीक जैसे क्षेत्रों में। मंत्री ने कहा कि नए भारत में सबसे बड़ा बदलाव युवाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी है। गोयल ने कहा कि आज के युवा जोखिम लेने से नहीं डरते, अपना खुद का कारोबार शुरू करने और नए विचारों के साथ प्रयोग करने के इच्छुक हैं, जो पहले की मानसिकता से एक स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है, जब लोग सिर्फ सुरक्षित नौकरी को ही प्राथमिकता देते थे।

ग्लोबल इकोनॉमिक कोऑपरेशन 2026: बहुध्रुवीय दुनिया में सहयोग और विकास के नए रास्तों की तलाश

एजेंसी

नई दिल्ली। वरिष्ठ नीति-निर्माता, वैश्विक सीईओ, निवेशक और भारत और विदेशों से बहुपक्षीय संस्थानों के लीडर 17 से 19 फरवरी के बीच मुंबई में आयोजित होने वाले पहले ग्लोबल इकोनॉमिक कोऑपरेशन 2026 (जीईसी) के लिए एकत्र होंगे। इस उच्चस्तरीय, आमंत्रण-आधारित मंच पर विचार किया जाएगा कि तेजी से बहुध्रुवीय होती दुनिया में आर्थिक कूटनीति, सहयोग और पूंजी के समन्वय को किस तरह विकसित होना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के विदेश मामलों के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने जारी बयान में कहा कि यह सम्मेलन फ्यूचर इकोनॉमिक कोऑपरेशन काउंसिल (एफईसीसी) द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो एक गैर-लाभकारी मंच है। इसका आयोजन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। इस काउंसिल को एक गवर्निंग बॉडी निर्देशित करेगी, जिसके मुख्य संरक्षक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं। भारतीय जनता पार्टी के विदेश मामलों के प्रभारी विजय चौथाईवाले इसके डायरेक्टर और विश्वमित्र रिसर्च फाउंडेशन की संस्थापक सुश्री प्रियम गांधी-मोदी इसकी डायरेक्टर एवं क्यूरेटर हैं। वैश्विक आर्थिक बदलाव के इस दौर में आयोजित किए जा रहे जीईसी 2026 को उन गंभीर संरचनात्मक बदलावों (स्ट्रक्चर्ड चेंज) से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है, जो वैश्विक व्यापार, निवेश और आर्थिक प्रशासन को नया आकार दे रहे हैं।

विंग्स इंडिया 2026 उड़ान भरने के लिए तैयार, 28-31 जनवरी तक हैदराबाद में होगा कार्यक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली। विंग्स इंडिया 2026 अब उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह एशिया का सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन कार्यक्रम है, जो 28 से 31 जनवरी 2026 तक हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर आयोजित किया जाएगा।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि विंग्स इंडिया 2026, एशिया का सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू करेंगे। इस बार विंग्स इंडिया 2026 की थीमः 'भारतीय एविएशनः भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना, डिज़ाइन से लेकर डिप्लॉयमेंट तक, मैन्युफैक्चरिंग से लेकर मेंटेनेंस तक, समावेशिता से लेकर इनोवेशन तक और सुरक्षा से लेकर सस्टेनेबिलिटी तक।' इस अवसर पर देश और विदेश के उच्च-स्तरीय गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहेंगे। वैश्विक विमानन के भविष्य को प्रदर्शित करने के लिए एशिया का

सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन कार्यक्रम एक भव्य समारोह के साथ किया जाएगा। यह 28 से 31 जनवरी, 2026 तक हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट में होने वाली चार दिवसीय वैश्विक विमानन सभा की शुरुआत का प्रतीक होगा। मंत्रालय के मुताबिक विंग्स इंडिया 2026 में शानदार स्टैटिक एयरक्राफ्ट डिस्प्ले, फ्लाइंग डिस्प्ले और एरोबेटिक एयर शो होंगे, जिसमें कई तरह के एयरक्राफ्ट दिखाए जाएंगे। खास आकर्षणों में इंडियन एयर फ़ोर्स की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम का हवाई प्रदर्शन शामिल है। नागरिक उड्डयन कार्यक्रम विंग्स इंडिया 2026 में एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, स्टैटिक एयरक्राफ्ट डिस्प्ले, फाइंग और एरोबेटिक शो, एक उच्चस्तरीय अंतरर?ट्रीय कांफ्रेंस, सीईओ राउंडटेबल, बी2बी और बी2जी मीटिंग, एक एविएशन जॉब फेयर, अवॉर्ड सेरेमनी और शानदार कल्चरल प्रोग्राम आयोजि?त होंगे। इसमें दुनियाभर से डेलीगेट्स और पार्टिसिपेंट्स के आने की उम्मीद है, जिससे यह इवेंट एक प्रमुख ग्लोबल एविएशन फोरम के तौर पर अपनी जगह और मज़बूत करेगा।

आईडीबीआई बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 1,935 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। आईडीबीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अव?टूबर-दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ लगभग स्थिर रहा है। बैंक को इस दौरान 1,935 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले साल की समान अवधि में बैंक ने 1,908 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 8,282 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वित?त वर्ष की इसी अवधि में 8,565 करोड़ रुपये रही थी। वहीं, बैंक की ब्याज आय भी पिछले साल के 7,816 करोड़ रुपये से कम होकर 7,074 करोड़ रुपये पर आ गई। आईडीबीआई बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया। इस दौरान बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात सुधरकर 2.57

फीसदी से सुधरकर 24.63 फीसदी हो गया है। दूसरी ओर बैंक की परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) में मामूली कमी देखी फीसदी रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3.57 फीसदी था। हालांकि, बैंक का शुद्ध एनपीए 0.18 फीसदी के स्तर पर स्थिर रहा। इसके अलावा बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात दिसंबर 2024 के 21.98 गई। यह चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में घटकर 1.83 फीसदी रह गया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 1.99 फीसदी था।

जून तक हर गांव में 4जी नेटवर्क के पहुंचने की उम्मीद: ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत में दुनिया का सबसे सस्ता मोबाइल डाटा उपलब्ध है और इसका इस्तेमाल भी सबसे ज्यादा किया जा रहा है। यह सब मजबूत डिजिटल ढांचे की वजह से संभव हो पाया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में इस समय 120 करोड़ से ज्यादा मोबाइल उपभोक्ता हैं और इस साल जून तक हर गांव में 4जी नेटवर्क के पहुंचने की उम्मीद है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'दुनिया में सबसे सस्ता डाटा और सबसे ज्यादा डाटा उपयोग भारत की डिजिटल क्रांति को दिखाता है। यह क्रांति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोगों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। 'सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल ने अब तक 97,068 4जी टावर लगाए हैं, जिनमें से 93,511 टावर अक्टूबर 2025 के अंत तक चालू हो चुके हैं। आने वाले कुछ महीनों में बीएसएनएल अपने सभी 4जी टावरों को 5जी में बदलने की तैयारी कर रही है। इस बीच, देश

के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5जी सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। फिलहाल देश के 99.9 प्रतिशत जिलों में 5जी नेटवर्क उपलब्ध है। अक्टूबर 2025 तक देश के गांवों और शहरों में 5.08 लाख 5जी बेस ट्रांससीवर स्टेशन (बीटीएस) स्थापित किए जा चुके हैं। पूरे देश में अब तक 31 लाख से ज्यादा बेस ट्रांससीवर स्टेशन लगाए गए हैं। कॉल ड्रॉप की समस्या कम करने और कमजोर इलाकों में इंटरनेट सुविधा बेहतर करने के लिए सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं में भारतनेट परियोजना शामिल है, जिसके तहत ग्राम पंचायतों और गांवों तक ब्रॉडबैंड पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों और आकांक्षी जिलों में मोबाइल सेवाएं देने की योजना भी चलाई जा रही है। सरकार ने सभी बिना नेटवर्क वाले गांवों तक 4जी सेवा पहुंचाने के लिए 4जी सैचुरेशन योजना भी शुरू की है। साथ ही गतिशक्ति संचार पोर्टल और राइट ऑफ वे नियमों को लागू किया गया है, ताकि टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से विकसित हो सके। देश में टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार निजी कंपनियों के साथ-साथ सरकारी कंपनियों द्वारा भी किया जा रहा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि नई तकनीकों को आगे बढ़ाने के लिए स्पेक्ट्रम, उपकरण, ऐप्स और टिकाऊ विकास से जुड़े सभी क्षेत्रों का आपस में सही तालमेल होना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की 6जी रणनीति में स्पेक्ट्रम नीति सबसे अहम भूमिका निभाएगी। भारत पहले ही कई बार स्पेक्ट्रम में बदलाव कर चुका है और आने वाले समय में और भी बड़े कदम उठाए जाएंगे।

चांदी ने कर दी निवेशकों की चांदी, 2026 में और चमक की उम्मीद

एजेंसी

देवास। क़ीमती धातुओं के बाज़ार में बीते एक साल के दौरान जबरदस्त हलचल देखने को मिली है। चांदी (सिल्वर धातु) ने जहां निवेशकों को रिकॉर्ड रिटर्न देकर सबका ध्यान खींचा तो वहीं सोना (पीली धातु) भी सुरक्षित निवेश के तौर पर मजबूती से चमकता रहा। चांदी के 2026 में और चमकने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 में भी दोनों धातुओं में तेजी का रुख बना रह सकता है। एक साल में चांदी का शानदार प्रदर्शन रहा और पिछले एक साल में चांदी ने निवेशकों को असाधारण रिटर्न दिया है। घरेलू बाजार में चांदी की कीमतों में 150 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई, जिससे यह सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली वस्तु में शामिल हो गई। औद्योगिक मांग, सीमित आपूर्ति और वैश्विक अनिश्चितताओं ने चांदी की कीमतों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

क्यों बढ़ी चांदी की चमक

सोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रीन एनर्जी सेक्टर से मजबूत औद्योगिक मांग, वैश्विक स्तर पर सुरक्षित निवेश की बढ़ती जरूरत, डॉलर और ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सप्लाई का दबाव, इन सभी फैक्टर्स ने मिलकर चांदी को निवेशकों की पहली पसंद बना दिया। चांदी के मुकाबले भले ही सोना थोड़ा पीछे रहा हो, लेकिन सोने ने भी 70 से 80 प्रतिशत तक का मजबूत रिटर्न दिया। भू, महंगाई की चिंता और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ने सोने को लगातार सपोर्ट दिया। विशेषज्ञ मानते हैं कि सोना अब भी निवेशकों के लिए सबसे सुरक्षित हेज बना हुआ है।

ज्यादा जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए चांदी बेहतर विकल्प बनकर उभरी है। स्थिर और सुरक्षित रिटर्न चाहने वालों के लिए सोना अब भी भरोसेमंद है। यही वजह है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में दोनों धातुओं को जगह दे रहे हैं।

डीजीसीए ने इंडिगो पर की सख्त कार्रवाई, 22.2 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो पर सख्त कार्रवाई की है। विमानन नियामक ने पिछले माह उड़ानों में भारी व्यवधान के लिए इंडिगो एयरलाइन पर 22.2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि विमानन नियामक डीजीसीए ने दिसंबर 2025 के दौरान इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में व्यापक देरी और रद्दीकरण के मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए कंपनी पर कुल 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। डीजीसीए ने यह कदम यात्रियों को हुई भारी असुविधा और परिचालन स्तर पर गंभीर खामियों के मद्देनजर उठाया है।

मंत्रालय ने बताया कि रूह्य इंडिगो की उड़ानों में पिछले साल 3 से 5 दिसंबर के बीच हुई अव्यवस्था की समीक्षा के लिए गठित चार सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की है। समिति का गठन नागर विमानन मंत्रालय के निर्देश पर डीजीसीए के द्वारा किया गया था। इस अवधि में इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द हुईं और 1,852 उड़ानों में देरी रही, जिससे तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उड़ानों को जरूरत से ज्यादा कसकर प्लान किया गया था। नियमों की तैयारी ठीक से नहीं की गई थी। कंपनी के इस्तेमाल हो रहे सॉफ्टवेयर में भी कमियां थीं। साथ ही प्रबंधन और संचालन पर सही नियंत्रण नहीं रखा गया। इन सभी कारणों से इंडिगो के उड़ानों में भारी अव्यवस्था पैदा हुई। समिति के मुताबिक उड़ान ड्यूटी समय से जुड़े नियमों को सही ढंग से लागू नहीं किया गया, जिससे पूरा संचालन बिगड़ गया। रिपोर्ट के मुताबिक समिति ने यह भी बताया कि क्रू और विमानों से ज्यादा से ज्यादा काम लेने के चक्कर में रोस्टर में कोई अतिरिक्त गुंजाइश नहीं छोड़ी गई। इसका नतीजा ये हुआ कि थोड़ी सी गड़बड़ी होते ही उड़ानें संभल नहीं पाईं और बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द या देर से चलने लगीं। डीजीसीए ने जांच के बाद इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को सावधानी पत्र जारी किया है, जबकि कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को चेतावनी दी गई। साथ ही, नियमों के उल्लंघन पर एकमुश्त 1.80 करोड़ रुपये और 68 दिनों तक जारी गैर-अनुपालन के लिए 20.40 करोड़ रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा डीजीसीए ने इंडिगो को 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करने का निर्देश दिया है, ताकि दीर्घकालिक सुधारों को सुनिश्चित किया जा सके। वहीं, प्रभावित यात्रियों को नियमानुसार मुआवजे के साथ 10,000 रुपये का 'जेस्चर ऑफ केयर' वाउचर भी प्रदान किया गया।

भारत और कनाडा नए अवसर खोलेंगे, संबंध और गहरे करेंगे: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिटिश कोलंबिया के मुख्यमंत्री डेविड एबे से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा आर्थिक साझेदारी को मज़बूत करने पर चर्चा की।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि उनकी डेविड एबे के साथ एक अच्छी बैठक हुई। इस दौरान नए अवसर खोलने और भारत-कनाडा के बीच संबंधों को गहरा करने के लिए लगातार बातचीत के महत्व को दोहराया गया।

पीयूष गोयल ने आगे कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश सहयोग को आगे बढ़ाने, महत्वपूर्ण

खनिज, विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, रक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने नए अवसरों को खोलने और दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा करने के लिए लगातार जुड़ाव के महत्व की पुष्टि की।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले हफ्ते की भारी गिरावट के बाद एक बार फिर सुधार देखने को मिला है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 09 जनवरी को समाप्त हफ्ते के दौरान 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले हफ्ते कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.81 अरब डॉलर घटकर 686.80 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने आंकड़ों में बताया कि 09 जनवरी को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.124 अरब डॉलर घटकर 550.866 अरब डॉलर रहीं। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान स?वर्ण भंडार का मूल्य 1.568 अरब डॉलर उछल कर 112.83 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.739 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.758 अरब डॉलर रहा।

सरकार गिग वर्कर्स और घरेलू सहायकों के लिए जल्द शुरू कर सकती है नई माइक्रोक्रेडिट योजना, बिना गारंटी के मिलेगा लोन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार गिग वर्कर्स, घरेलू सहायकों और अन्य जरूरतमंद वर्गों के लिए जल्द ही एक नई लोन स्कीम शुरू करने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार अप्रैल 2026 से एक माइक्रोक्रेडिट योजना शुरू कर सकती है, जिसके तहत हर साल बिना किसी गारंटी के 10,000 रुपए तक का लोन दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि यह योजना प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम-स्वनिधि) योजना की तर्ज पर बनाई जा रही है। इस योजना के जरिए पहले से ही रेहड़ी-पटरी वालों को छोटे कामकाजी लोन दिए जाते हैं। इस नई योजना की रूपरेखा आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय तैयार कर रहा है। पीएम-स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को पहले चरण में 10,000 रुपए का लोन मिलता है। अगर वे समय पर लोन चुका देते हैं, तो उन्हें बाद में 20,000 रुपए और फिर 50,000 रुपए तक का लोन मिल सकता है। इसके साथ ही 7 प्रतिशत ब्याज में छूट और डिजिटल भुगतान अपनाने पर अतिरिक्त फायदे भी दिए जाते हैं। नई योजना का

मकसद गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स की मदद करना है। ऐसे कई कामगार होते हैं जिनका कोई बैंक रिकॉर्ड नहीं होता, जिससे उन्हें मोटरसाइकिल या काम से जुड़े जरूरी सामान खरीदने के लिए लोन नहीं मिल पाता। यह योजना उनकी इसी समस्या को दूर करने के लिए लाई जा रही है। इस योजना में वही लोग पात्र होंगे, जिनकी पहचान सरकारी रिकॉर्ड में होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत कामगार, जिनके पास सरकारी पहचान पत्र और यूनिवर्सल अकाउंट नंबर होगा उन्हें इस योजना का लाभ मिल सकता है। पीएम-स्वनिधि योजना में स्ट्रीट वेंडर्स के लिए लाइसेंस और नगर निकाय के सर्वे में नाम होना जरूरी होता है। नई योजना में भी इसी तरह की जांच प्रक्रिया अपनाई जा सकती है।

नवंबर 2025 तक ई-श्रम पोर्टल पर 31 करोड़ से ज्यादा असंगठित कामगार और 5.09 लाख से ज्यादा गिग व प्लेटफॉर्म वर्कर्स पंजीकृत हो चुके थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिन कामगारों का रिकॉर्ड सत्यापित होगा, उन्हें सबसे पहले लोन दिया जाएगा।

सरकार ने पहले ही पीएम-स्वनिधि योजना को नए रूप में आगे बढ़ाने की जानकारी दी थी। इस योजना से कुल 1 करोड़ 15 लाख लोगों को लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 50 लाख नए लाभार्थी भी शामिल हैं।

अब इस योजना की लोन अवधि को बढ़ाकर 31 मार्च 2030 तक कर दिया गया है, जिसके लिए सरकार ने कुल 7,332 करोड़ रुपए का बजट तय किया है। नई व्यवस्था के तहत पहले और दूसरे चरण में लोन की राशि बढ़ाई गई है। इसके अलावा, जो लाभार्थी दूसरा लोन समय पर चुका देंगे, उन्हें यूपीआई से जुड़ा रुपे क्रेडिट कार्ड भी दिया जाएगा। इस योजना का दायरा अब केवल कस्बों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे धीरे-धीरे जनगणना वाले कस्बों, अर्ध-शहरी क्षेत्रों आदि तक भी बढ़ाया जाएगा।

ट्रंप ने दी ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी

एजेंसी

वाशिंगटन। ग्रीनलैंड को लेकर बढ़ते विवाद के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो के कई देशों पर व्यापारिक शुल्क लगाने की धमकी दी है। ट्रंप ने कहा है कि जो देश ग्रीनलैंड की मदद कर रहे हैं, वहां सैनिक तैनात कर रहे हैं और अमेरिका की नीति के खिलाफ खड़े हैं, उन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक लंबी पोस्ट में दावा किया कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और फिनलैंड ने 'अज्ञात उद्देश्यों' से ग्रीनलैंड की यात्रा की है। उन्होंने इसे वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, इन देशों से अमेरिका आने वाले सभी उत्पादों पर 01 फरवरी से 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। इसके बाद 01 जून से यह दर बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दी जाएगी। ट्रंप ने कहा कि ग्रीनलैंड में विदेशी सैन्य गतिविधियां 'धरती की सुरक्षा, स्थिरता और अस्तित्व' के लिए बेहद खतरनाक स्थिति पैदा कर रही हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। ट्रंप के इस बयान के बाद नाटो सहयोगी देशों में चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि टैरिफ लागू होते हैं, तो इससे अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच व्यापारिक संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो सकता है।

नेपाल में ओली और प्रचंड फिर आ सकते हैं साथ

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के साथ चुनावी गठबंधन की संभावना समाप्त होने के बाद नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) ने अब प्रचंड की पार्टी के साथ बातचीत शुरू की है।निर्वाचन आयोग द्वारा गगन थापा को नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में मान्यता दिए जाने और थापा द्वारा आगामी चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद देश के प्रमुख साम्यवादी दलों ने यह रास्ता अपनाया है। नेकपा (एमाले) के मुताबिक निर्वाचन आयोग के फैसले से पहले ओली और नेपाली कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा के बीच चुनावी गठबंधन पर सहमति बन गयी थी, लेकिन अब मौजूदा हालात में गठबंधन को लेकर नया रास्ता अपना पड़ रहा है। भरतपुर की मेयर रेणु दाहाल के मुताबिक चितवन में भरतपुर महानगरपालिका के नए भवन के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान नेकपा (एमाले) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के संयोजक पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' के साथ बातचीत की पहल की। रेणु दाहाल प्रचंड की पुत्री हैं। वह मेयर पद से इस्तीफा देकर प्रतिनिधि सभा का आगामी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।

अमेरिका का सीरिया पर बड़ा हवाई हमला: अलकायदा नेता बिलाल हसन ढेर

वाशिंगटन। राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश पर अमेरिका ने सीरिया में हवाई हमला कर अलकायदा नेता बिलाल हसन अल-जासिम को मार गिराया है। यह कार्रवाई अमेरिकी सैनिकों की हत्या के बदले में की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कड़े रुख के बाद अमेरिकी सेना ने दक्षिण-पश्चिम एशिया के मुस्लिम देश सीरिया में एक बड़ी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया है। शनिवार की रात हुए इस घातक हवाई हमले में अलकायदा से जुड़े एक वरिष्ठ आतंकवादी नेता को मार गिराया गया है, जिसकी पहचान बिलाल हसन अल-जासिम के रूप में हुई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस अभियान की सफलता की पुष्टि करते हुए इसे अमेरिकी सैनिकों पर हुए पिछले हमलों का करारा जवाब बताया है। इस हवाई हमले के बाद क्षेत्र के अन्य देशों में हलचल बढ़ गई है और इसे आतंकवाद के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के रूप में देखा जा रहा है।

ईरान में प्रदर्शनकारियों के सिर में मारी गई गोली, मौतों का आंकड़ा 16 हजार के पार

ईरान। ईरान में दिसंबर 2025 के अंत से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन अब सरकार विरोधी आंदोलन में बदल चुका है, जिसमें 16,500 से अधिक लोग मारे गए और 3,30,000 से ज्यादा घायल हुए। दिसंबर 2025 के अंत में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन अब ईरान में एक बड़े संकट का रूप ले चुके हैं। यह विरोध शुरुआत में आर्थिक समस्याओं जैसे महंगाई और रियाल की गिरावट से उपजा था, लेकिन जल्द ही यह सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गया। प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ भी नारेबाजी की। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा की गई कड़ी कार्रवाई में 16,500 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए हैं और 3,30,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ज्यादातर पीड़ित युवा हैं, जिनकी उम्र 30 वर्ष से कम है।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी

कोपेनहेगन (डेनमार्क)। अमेरिका की ग्रीनलैंड पर हर हाल में नियंत्रण करने की धमकी के बाद बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए हैं। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन और ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक में लोग सड़कों पर उतर आए। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स फ्रेडरिक नीलसन भी नुउक से अमेरिकी दूतावास तक किए गए प्रदर्शन में शामिल हुए। कोपेनहेगन में अमेरिकी दूतावास के सामने भी हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव पैदा कर दिया है। ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक में कड़ाके की ठंड के बावजूद हजारों लोगों ने 'ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है' के नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस कून्स और रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने कोपेनहेगन का दौरा किया। उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड

के नेताओं को आश्वासन दिया कि ट्रंप का बयान अमेरिकी जनता की राय नहीं हैं और कांग्रेस संप्रभुता के सिद्धांतों का सम्मान करती है।

ग्रीनलैंड पर डेनमार्क और यूरोपीय देशों के विरोध के जवाब में ट्रंप ने कड़े आर्थिक कदम उठाने की घोषणा की है। यूरोपीय नेताओं ने ट्रंप की टैरिफ धमकी पर प्रतिक्रिया दी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पोस्ट पर कहा कि फ्रांस यूरोपीय देशों की संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है। इसी आधार पर फ्रांस ने डेनमार्क का समर्थन किया है। मैक्रों ने कहा कि टैरिफ की धमकी अस्वीकार्य है।अगर टैरिफ लगाया गया तो सामूहिक जवाब दिया जाएगा। डेनमार्क के विदेशमंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने कहा कि यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की ट्रंप की धमकी से वह हैरान हैं। ग्रीनलैंड में अतिरिक्त सुरक्षा बढ़ाना आर्कटिक की रक्षा करना है। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि दूसरे यूरोपीय नेता भी मिलकर जवाब देने के लिए बातचीत कर रहे हैं। क्रिस्टर्सन ने कहा कि स्वीडन किसी भी धमकी से नहीं डरेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों को मिलकर काम करना चाहिए। सभी को टैरिफ की धमकियों के बारे में सीधे ट्रंप प्रशासन से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सहयोगियों की सामूहिक सुरक्षा के लिए काम करने वाले देशों पर टैरिफ लगाना पूरी तरह से गलत है। यूरोपियन यूनियन के 27 सदस्य देशों के राजदूत रविवार को एक आपात बैठक में इस संबंध में चर्चा करेंगे। यह बैठक साइप्रस ने आहूत की है। यूरोपीय संघ प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने संयुक्त बयान में कहा कि ट्रंप के टैरिफ संबंधों को कमजोर करने वाले हैं।

नेपाल में चुनावी प्रक्रिया स्थगित करने की मांग, देउवा पक्ष ने निर्वाचन आयोग को लिखा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के शेरबहादुर देउवा समूह ने 20 मार्च को होने वाले नामांकन की निर्वाचन तालिका को स्थगित करने की मांग को लेकर निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है। नेपाल में 5 मार्च को प्रतिनिधि सभा का चुनाव होना है। इस चुनाव के लिए 20 जनवरी को नामांकन की तिथि निर्धारित की गई है। देउवा समूह के नेता मीनबहादुर विश्वकर्मा के अनुसार पार्टी के मुख्य सचिव और पूर्व महान्यायाधिवक्ता खम्म बहादुर खाती ने निर्वाचन आयोग से मामला अदालत में होने के कारण फिलहाल निर्वाचन प्रक्रिया रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हमने कुछ देर पहले सर्वोच्च अदालत में दायर रिट की प्रमाणित प्रति लेकर वे निर्वाचन आयोग दे दिया है, ताकि इसी के आधार पर निर्वाचन प्रक्रिया को स्थगित किया जाए। पार्टी के विशेष महाधिवेशन से गगनकुमार थापा सहित कार्यसमिति निर्वाचित हो चुकी है, जिसे निर्वाचन आयोग ने आधिकारिक मान्यता देने का निर्णय पहले ही सुना दिया है। देउवा समूह ने निर्वाचन आयोग के इस निर्णय को रद्द करने की मांग करते हुए आज ही सर्वोच्च अदालत में रिट दायर की है, जिसकी पेशी माघ 6 को तय की गई है।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों का बलोच लिबरेशन आर्मी के शिविर पर हमला, चार विद्रोही कमांडर मारे गए

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्ता। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के हमले में आजादी के लिए संघर्षरत बलोच लिबरेशन आर्मी के सुरक्षा बलों ने कलात के शोर परुद इलाके में बीएलए के एक अस्थायी शिविर पर हमला किया। इस हमले में बीएलए ने अपने चार कमांडर संगत जोहिर उर्फ हक नवाज, अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलोचिस्तान प्रांत में दो बैंक और एक पुलिस थाने पर हमला करने वाले 12 आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर के अनुसार, करीब

(बीएलए) के चार विद्रोही मारे गए हैं। बीएलए प्रवक्ता जैनूद बलोच ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने मीडिया को जारी बयान में इस हमले का वर्णन करते हुए अपने चार कमांडरों के निधन पर गहरा शोक जताया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता जैनूद बलोच ने कहा कि यह वाकया 12 जनवरी का है। बलोचिस्तान में जबरिया काबिज होने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान मंजूर कुर्द उर्फ बख्तियार चीता, समीउल्लाह उर्फ जावेद फाहलिया और नसीर अहमद उर्फ मीरेक को खो दिया। बीएलए प्रवक्ता ने कहा कि बीएलए अपने शहीद कमांडरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आजादी की मांग के लिए प्रतिबद्ध है । उधर, पाकिस्तान सेना के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के कराची से जारी बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 15-20 आतंकवादियों ने खारान कस्बे में दो बैंक और एक पुलिस थाने पर हमला कर कुछ कर्मियों को बंधक बना लिया था। इन कर्मियों को बाद में एक अभियान के दौरान सकुशल बचा लिया गया। बयान में कहा गया कि आतंकवादियों ने 15 जनवरी को बैंकों से 34 लाख पाकिस्तानी रुपये लूटकर भागने की कोशिश की। इस घटना के बाद हुई तीन मुठभेड़ों में 12 आतंकवादी मारे गए।

गाजा कार्यकारी बोर्ड पर अमेरिका से असहमत इजराइल, नीति के खिलाफ बताया गठन

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल ने गाजा से जुड़े नए अमेरिकी प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा गाजा के लिए घोषित कार्यकारी बोर्ड की संरचना पर इजराइल से कोई समन्वय नहीं किया गया और यह सरकार की नीति के अनुरूप नहीं है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, विदेश मंत्री गिदोन सार इस मुद्दे को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के समक्ष उठाएंगे। हालांकि, बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि बोर्ड के किन पहलुओं को इजराइली नीति के विपरीत माना जा रहा है। एक सरकारी प्रवक्ता ने भी इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

तुर्की की भूमिका पर इजराइल की आपत्ति

व्हाइट हाउस द्वारा घोषित इस कार्यकारी बोर्ड में तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान को शामिल किया गया है। इजराइल लंबे समय से गाजा में तुर्की की किसी भी भूमिका का विरोध करता रहा है, और माना जा रहा है कि यही असहमति की प्रमुख वजह है।

बोर्ड में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व

गाजा कार्यकारी बोर्ड में संयुक्त

राष्ट्र की मध्य पूर्व शांति प्रक्रिया की विशेष समन्वयक सिग्रिड काग, एक इजराइली-साइप्रस मूल के अरबपति कारोबारी और संयुक्त अरब अमीरात के एक मंत्री को भी शामिल किया गया है। गौरतलब है कि यूएई ने वर्ष 2020 में इजराइल के साथ औपचारिक संबंध स्थापित किए थे।

गाजा युद्ध समाप्त करने की योजना का दूसरा चरण

इस सप्ताह वाशिंगटन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस योजना के दूसरे चरण की शुरुआत का भी ऐलान किया, जिसका उद्देश्य गाजा में जारी युद्ध को समाप्त करना है। इस चरण में क्षेत्र में एक अस्थायी, तकनीकी विशेषज्ञों से युक्त फ़िलिस्तीनी प्रशासन स्थापित करने का प्रस्ताव शामिल है।

'बोर्ड ऑफ पीस' की भी घोषणा

इसके साथ ही तथाकथित 'बोर्ड ऑफ पीस' के शुरुआती सदस्यों के नाम भी घोषित किए गए हैं। इस बोर्ड की अध्यक्षता डोनाल्ड ट्रंप करेंगे और इसे गाजा के अस्थायी प्रशासन की निगरानी की जिम्मेदारी दी जाएगी। बोर्ड में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, अरबपति कारोबारी स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर शामिल हैं। गाजा के भविष्य को लेकर अमेरिका की नई पहल पर इजराइल की नाराजगी ने दोनों सहयोगी देशों के बीच कूटनीतिक स्तर पर नई चुनौती खड़ी कर दी है।

दुकान में देवी-देवता की तस्वीर रखने पर आपत्ति, हिंदू मिठाई व्यवसायी की पीट पीटकर हत्या

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के कालीगंज क्षेत्र में सांप्रदायिक उन्माद की एक और भयावह घटना सामने आई है, जहां एक हिंदू मिठाई व्यवसायी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष के रूप में हुई है, जिन्हें स्थानीय लोग काली मयरा के नाम से जानते थे। वह कालीगंज नगरपालिका से सटे बड़नगर रोड स्थित बैसाखी स्वीट एंड होटल के मालिक थे। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे दुकान में काम करने वाले 17 वर्षीय हिंदू किशोर कर्मचारी अनंत दास के साथ मारपीट शुरू हुई। आरोप है कि मासूम मिया (28) नामक युवक दुकान में आया और दुकान में लगी देवी-देवताओं की तस्वीरों पर आपत्ति जताई। उसने कहा कि दुकान में इस तरह की तस्वीरें रहने से मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ हराम हो जाते हैं और

मुस्लिम देश में इस तरह का व्यापार नहीं चल सकता। जब कर्मचारी अनंत दास ने इसका विरोध किया तो मासूम मिया ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए धार्मिक आधार पर अपमानित किया और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर मासूम के पिता स्वपन मिया (55) और मां माजेदा खातून (45) भी मौके पर पहुंच गए और तीनों ने मिलकर कर्मचारी को पीटना शुरू कर दिया।

स्थिति को शांत करने और अपने कर्मचारी को बचाने के लिए जब दुकान मालिक लिटन चंद्र घोष आगे आए तो हमलावरों ने उन्हें भी निशाना बना लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक चरण में हमलावरों ने बेलचे से लिटन घोष के सिर पर वार किया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़े। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के तुरंत बाद लोगों ने तीनों हमलावरों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद स्वपन मिया, माजेदा खातून और मासूम मिया शामिल हैं, जो कालीगंज उपजिला के बालीगांव इलाके के निवासी बताए गए हैं। इस निर्मम हत्याकांड से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय हिंदू समुदाय में गहरी असुरक्षा और भय व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूर्व नियोजित था और लंबे समय से चले आ रहे सांप्रदायिक द्वेष का परिणाम है। कालिगंज थाने के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद जाकिर हुसैन ने बताया कि घटना के बाद तीनों आरोपितों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। मृतक के शव को बरामद कर मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

नेपाली कांग्रेस में विभाजन के फैसले को रद्द करने की मांग, सुप्रीम कोर्ट में रिट दायर

एजेंसी

काठमांडू। गगन थापा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस को मान्यता देने के निर्णय को रद्द करने की मांग को लेकर शेरबहादुर देउवा पक्ष ने सर्वोच्च अदालत में दायर रिट दायर की है। इसकी सुनवाई 20 जनवरी को तय की गई है। रिट के पंजीकरण की पुष्टि करते हुए सर्वोच्च अदालत के प्रवक्ता अर्जुन कोइराला ने कहा कि रिट दायर हो चुकी है, लेकिन सोमवार को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण मंगलवार को इसकी पेशी तय की गई है। प्रतिनिधि सभा सदस्य के लिए निर्वाचन आयोग ने 20 जनवरी को उम्मीदवारों के नामांकन का समय तय किया है। ऐसे में कांग्रेस के भीतर चल रहा विवाद अब नामांकन से पहले सुलझने की संभावना नहीं है। 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं। नेकपा (एमाले) और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) ने लगभग अपने उम्मीदवार तय कर लिए हैं। इसी तरह, राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) ने आज केंद्रीय समिति की बैठक बुलाई है। अन्य दलों ने भी लगभग उम्मीदवारों को अंतिम रूप दे दिया है। कांग्रेस में अध्यक्ष थापा पुराने सिफारिशों के आधार पर उम्मीदवार तय करने की तैयारी में हैं। दूसरी ओर, देउवा पक्ष सर्वोच्च अदालत का रुख करने के कारण उम्मीदवार देने या न देने को लेकर अभी कोई निश्चित निर्णय नहीं कर पाया है।

युगांडा में मुसेवेनी की फिर जीत, विपक्षी नेता बोबी वाइन लापता

एजेंसी

कंपाला। युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी एक बार फिर भारी बहुमत से चुनाव जीत गए हैं। घोषित नतीजों के अनुसार, 81 वर्षीय मुसेवेनी ने राष्ट्रपति चुनाव में करीब 72 प्रतिशत मत हासिल कर सत्ता में बने रहने का रास्ता साफ कर लिया है। इसके साथ ही उनका शासन पांचवें दशक में प्रवेश कर गया है। चुनाव के दौरान हिंसा और धांधली के आरोप भी सामने आए। युगांडा के निर्वाचन आयोग ने राजधानी कंपाला में आयोजित कार्यक्रम में बताया कि मुसेवेनी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी, गायक से राजनेता बने बोबी वाइन को लगभग 24 प्रतिशत वोट मिले। बोबी वाइन ने चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाया है। मतदान के दौरान देशभर में इंटरनेट सेवाएं बंद रहीं, जिसे सरकार ने 'गलत सूचना रोकने' की जरूरत बताया। वाइन ने समर्थकों से विरोध प्रदर्शन की अपील की। चुनाव नतीजों के बाद बोबी वाइन का पता नहीं चल पाया। उन्होंने दावा किया कि सेना ने उनके घर पर छापा मारा, जिसके बाद वे वहां से निकलने में सफल रहे। उनके करीबी लोगों के अनुसार, वह फिलहाल युगांडा में ही कहीं सुरक्षित स्थान पर हैं।

सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में वाइन ने कहा कि उनके घर की बिजली काट दी गई और सुरक्षा कैमरे बंद कर दिए गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य नजरबंद हैं, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

हिंसा की घटनाएं, मौतों को लेकर विवाद

मतगणना के बाद एक बड़ी हिंसक घटना की खबर सामने आई, जिसमें पुलिस ने दावा किया कि आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई में सात लोगों की मौत हुई। वहीं विपक्षी सांसद मुवांगा किवुम्बी ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों ने उनके घर में घुसकर लोगों को मारा।

लंबे शासन और उत्तराधिकार पर चर्चा

उल्लेखनीय है कि मुसेवेनी 1986 से सत्ता में हैं और उन्होंने दो बार संविधान में बदलाव कर आयु सीमा और कार्यकाल की बाधाएं हटाईं। वर्ष 2021 के चुनाव में भी उन्होंने बोबी वाइन को हराया था, जिसे अमेरिका ने न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष बताया था। मुसेवेनी के लंबे शासन के बावजूद, पश्चिमी देश क्षेत्रीय सुरक्षा में उनकी भूमिका और शरणार्थियों को पनाह देने के कारण उनके प्रति नरम रुख रखते हैं। देश में अपेक्षाकृत स्थिरता और आगामी तेल उत्पादन से आर्थिक विकास बढ़ने की उम्मीद भी उनके समर्थन का कारण रही है। इसी बीच, उनके उत्तराधिकार को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। माना जाता है कि वे अपने बेटे और सेना प्रमुख मुहोजी काइनरुगाबा को आगे बढ़ाना चाहते हैं, हालांकि मुसेवेनी इस दावे से इनकार करते रहे हैं।

ईरान में हिंसक प्रदर्शनों के लिए खामेनेई ने ट्रंप को ठहराया जिम्मेदार

एजेंसी

दुबई। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने देश में बीते कई हफ्तों से जारी हिंसक प्रदर्शनों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में हजारों लोगों की जान गई। प्रदर्शन 28 दिसंबर को आर्थिक संकट, महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में शुरू हुए थे, जो जल्द ही पूरे देश में फैल गए। कई स्थानों पर ये प्रदर्शन सत्ता व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी में तब्दील हो गए। खामेनेई ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयान और सोशल मीडिया संदेश ईरान में अस्थिरता फैलाने का कारण बने। उन्होंने ट्रंप पर ईरानी जनता के खिलाफ अपराध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश को नुकसान पहुंचाने और बदनाम करने की कोशिश की गई। हाल ही में ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि प्रदर्शनकारियों को फांसी दी गई तो अमेरिका सख्त कदम उठाएगा। इसके बाद उन्होंने दावा किया कि ईरान ने कथित तौर पर सामूहिक फांसी की योजना वापस ले ली है, जबकि तेहरान ने ऐसी किसी योजना से इनकार किया। ईरानी नेतृत्व का आरोप है कि विरोध प्रदर्शनों को अमेरिका और इजराइल का समर्थन प्राप्त था। सरकारी मीडिया के अनुसार, कई हिंसक घटनाओं में शामिल लोग प्रदर्शनकारियों के भेष में सक्रिय थे, जिन्हें 'आतंकवादी तत्व' बताया गया। वहीं, अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन एचआरएएनए के जारी आंकड़ों को भी झूठा बताया गया है। दरअसल, एचआरएएनए की ओर से जारी रिपोर्ट्स में अब तक 3,000 से अधिक लोगों की मौत और 22,000 से ज्यादा गिरफ्तारियों के आकड़े दिए गए। जिसमें बड़ी संख्या में आम प्रदर्शनकारी शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं ईरानी मीडिया इन आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर बतायाजाना बता रहा है। इसके इतर, लगातार हिंसा के चलते लगाए गए इंटरनेट प्रतिबंधों में शनिवार (17 जनवरी)को आंशिक राहत दी गई। कुछ इलाकों में इंटरनेट और संदेश सेवाएं बहाल की गईं, हालांकि कनेक्टिविटी सामान्य स्तर से काफी कम बनी हुई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, खुफिया एजेंसियों ने कई कथित आयोजकों को हिरासत में लिया है। कुछ पर विदेश में रह रहे विपक्षी नेताओं से संपर्क रखने के आरोप लगाए गए हैं।

काठमांडू के मेयर बालेन शाह अब अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेन्द्र शाह (बालेन) ने पूर्व में की गई इस्तीफे की घोषणा से आखिरी समय में पलटते हुए पद पर बने रहने का निर्णय लिया है। शाह आगामी प्रतिनिधि सभा चुनाव में राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। चुनाव में भाग लेने के लिए उन्होंने पहले मेयर पद से इस्तीफा देने की योजना बनाई थी, लेकिन अब कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद शाह ने इस्तीफा न देने का फैसला लिया है। उनके सचिवालय के एक सदस्य के अनुसार शाह को एक ऐसे कानूनी प्रावधान की जानकारी मिली, जिसके तहत प्रतिनिधि सभा चुनाव में उम्मीदवार के रूप में नामांकन दर्ज होते ही मेयर स्वतः पदमुक्त हो जाता है।

इसी आधार पर उन्होंने औपचारिक इस्तीफा देना अनावश्यक समझा।इस निर्णय के बावजूद पार्टी प्रवक्ता मनीष झा के अनुसार शाह आज पहली बार रास्वपा की केंद्रीय समिति की बैठक में शामिल होंगे। शाह पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। रास्वपा की केंद्रीय समिति की बैठक आज दोपहर 2 बजे काठमांडू के बानस्थली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित होने वाली है, जिसमें शाह की उपस्थिति अपेक्षित है।

कराची के शॉपिंग प्लाजा में भीषण आग, दमकलकर्मी समेत छह की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में एमए जिन्ना रोड पर गुल शॉपिंग प्लाजा में लगी आग में एक दमकल कर्मचारी समेत छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 30 से ज्यादा लोग झुलस गए। इनमें से 11 लोगों की हालत नाजुक है। व्यापारियों ने आग बुझाने की कोशिश के असरदार न होने पर चिंता जताई है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अभी भी कई लोगों के प्लाजा में फंसे होने की आशंका है। व्यापारियों ने सिंध सरकार पर आरोप लगाया है कि समय पर कार्रवाई न होने से जान-माल का भारी नुकसान हुआ। उन्होंने मुआवजे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए असरदार कदम उठाने की मांग की। बताया गया है कि आग गुल प्लाजा के ग्राउंड और पहली मंजिल पर लगी। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, धुआं में दम घुटने और भगदड़ मचने से पांच लोगों की जान चली गई। यह भी आशंका है कि इमारत गिर सकती है, क्योंकि भीषण आग से इमारत के ढांचे को नुकसान पहुंचा है। सिंध के गृहमंत्री ज़ियाउल हसन लांजर ने कहा कि अभी भी दमकल विभाग के कर्मचारी 14 गाड़ियों के साथ आग बुझाने में जुटे हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, मृतकों में से तीन की पहचान आमिर,

आसिफ और फराज के रूप में हुई है। झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग की तीव्रतालगातार बढ़ रही है। आग की लपटों ने कई और दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया है। शॉपिंग प्लाजा में कई लोगों के फंसे होने की आशंका हैं। कई लोगों ने प्लाजा की छत पर शरण ली है। कराची व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष तनवीर पास्ता ने कहा कि भीषण आग के बाद इमारत के अंदर लगभग 80 से 100 लोगों के फंसे होने की आशंका है। पास्ता ने कहा कि सभी ग्राहक इमारत से बाहर निकल गए, लेकिन स्टाफ और दुकानदार अभी भी अंदर फंसे हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि इमारत में 1,200 दुकानें हैं और आग से अरबों रुपये का नुकसान हुआ है।

व्यापारी नेता ने प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि न तो मुख्यमंत्री और न ही कराची के मेयर ने व्यापारियों से संपर्क किया। उन्होंने कहा, अब तक सिर्फ सिंध के गवर्नर आए हैं।। उन्होंने दावा किया कि अभी तक कोई भी बचाव दल बिल्डिंग के अंदर नहीं गया है और बिल्डिंग के तीन तरफ आग अभी भी जल रही है। उन्होंने बताया कि आग कथित तौर पर ग्राउंड फ्लोर पर फूल बेचने वाली एक दुकान में लगी थी। कराची के मेयर बैरिस्टर मुर्तज़ा वहाबने जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। सिंध आपातकालीन सेवा के अधिकारी डॉ. आबिद जलालुद्दीन शेख ने कहा कि फिलहाल 20 फायर टेंडर और चार स्नोर्कल गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं।आग पर काबू पाने के लिए फायर फाइटिंग फोम का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

page 1 and 8 jan 19_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/18/2026 10:18 PM Page 2

खजूर शुष्क जलवायु में उगाया जाने वाला प्राचीनतम फलदार वृक्ष

– स्रोत- भूपेंद्र चौधरी, दैनिक जागृति

खजूर शुष्क जलवायु में उगाया जाने वाला प्राचीनतम फलदार वृक्ष है । इस वृक्ष का वानस्पतिक नाम फीनिक्स डेक्टीलीफेरा है। यह मानव सभ्यता के सबसे पुराने खेती किये जाने वाले फलों में से एक है। इसकी उत्पत्ति फारस की खाड़ी में समझी जाती है। दक्षिण इराक (मेसोपोटोमिया) में इसकी खेती ईसा से 4000 वर्ष पूर्व प्रचलित थी। मोहनजोदड़ों की खुदाई के अनुसार भारत – पाकिस्तान में भी ईसा से 2000 वर्ष पूर्व विद्यमान था। पुरातन विश्व में खजूर की व्यवसायिक खेती पूर्व में सिन्धु घाटी से दक्षिण में तुर्की–परशियन–अफगान पहाड़ियों, इराक किरकुक – हाईफा तथा समुद्री तटीय सीमा के सहारे–2 ट्यूनिशिया तक बहुतायत में की जाती थी।

इसकी व्यवसायिक खेती की शुरूआत सर्वप्रथम इराक में शुरु हुई। ईराक, सऊदी अरब, इरान, मिश्र, लिबिया, पाकिस्तान, मोरक्को, ट्यूनिशिया, सूडान, संयुक्त राज्य अमेरिका और स्पेन विश्व के मुख्य खजूर उत्पादक देश है। हमारे देश में सर्वप्रथम 1955 से 1962 के मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका व पाकिस्तान से खजूर की कुछ व्यवसायिक किस्मों के पौधे मंगवाये गये थे।

राजसथान के जैसलमेर, बारमेर, बीकानेर और जोधपुर आदि के शुष्क जलवायु वाले पश्चिमी क्षेत्र खजूर की खेती के लिए उपयुक्त पाए गये है। खजूर पर सामान्यत: अधिक तापक्रम और पाले का असर नही होने तथा लवण सहन करने की क्षमता के कारण राज्य का काफी बड़ा क्षेत्र खजूर की खेती के अन्तर्गत प्रभावी रूप से उपयोग में लाया जा सकता हैं। ऐसे क्षेत्र जो बहुत अधिक लवणीय हैं अथवा जहा जल निकास की पर्यापत व्यवस्था नही है अथवा सिंचाई हेतु लवणीय जल ही उपलब्ध है जो अन्य फसलों के लिए उपयुक्त नही वहा पर भी इसकी खेती की जा सकती है।

जम्मू कश्मीर के बागबानी विभाग ने भी जम्मू क्षेत्र के सांबा जिले में खजूर की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रयास आरंभ किए हैं।

खजूर की खेती मुख्यत: शुष्क और अर्द्ध शुष्क क्षेत्र जहां लम्बी गर्म हवायें व गर्मी, अत्यधिक कम वर्षा व बहुत कम आर्द्धता होती है, में की जाती है। अरब देशें में मान्यता है कि अधिक बढ़वार और उपज के लिए खजूर के पेड़ों के सिर तपती आगनुमा गर्मी में तथा जड़ें पानी में रहनी चाहिए। खजूर के फल जुलाई– –अगस्त में पकते हैं। इस समय भी वर्षा और अधिक वातावरणीय नमी होने पर फल समुचित रुप से नही पक पाते तथा सड़कर नष्ट हो जाते हैं। भारत के अधिकांश भागों में इस समय मानसून सक्रिय हो जाते है।

पश्चिमी राजसथान के जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर और जोधपुर आदी ऐसे क्षेत्र हैं जहां मानसून की वर्षा प्राय: कम होती है। खजूर की खेती के लिए उपयुक्त क्षेत्रों में औसतन वार्षिक वर्षा जैसलमेर में 100–250 मिलीमीटर, बीकानेर में 304 मिलीमीटर, बारमेर में 330 मिलीमीटर तथा जोधपुर में 366 मिलीमीटर और गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 322 मिलीमीटर तक होती है। फल पकते समय हल्की वर्षा भी शुरु की अवस्था में भारी वर्षा से अधिक हानीकारक होती है।

खजूर के फलों एवं फलों के समुचित विकास के लिए गर्म तथा शुष्क जलवायु की आवश्यकता पड़ती हैं। यह गर्मीयों में 50 डिग्री सेल्सियस और सर्दीयों में 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे तक के तापमान को भी सह लेता है। । डिग्री सेल्सियस से 32 डिग्री सेल्सियस तापमान इसकी वानस्पतिक बढ़वार के लिये सर्वाधिक उपयुक्त है। खजूर में पुष्पन और फलों के पकने हेतु क्रमश: 24 डिग्री सेल्सियस व 40 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त पाया गया है। देश के खजूर उत्पादन योग्य क्षेत्रों को लगभग 4 भागों में बाटा जा सकता है। जो इस प्रकार है, जैसे–

1. जैसलमेर तथा बारमेर, बीकानेर और जोधपुर जिलों के अधिक शुष्क पश्चिमी भाग।
2. कच्छ का समुद्री तटीय क्षेत्र तथा सौराष्ट्र का कुछ भाग।
3. जोधपुर, बीकानेर और बारमेर के पूर्वा भाग और नागौर, चुरु व श्रीगंगानगर जिलोंके पश्चिमी भाग।
4. अबोहर, सिरसा, श्रीगंगानगर, चुरु जिलों के पूर्वी भाग और सीकर का पश्चिमी भाग।

खजूर की खेती ऐसी लवणीय मृदायें जिनका पीएच मान 8 से 9 तक हो सफलतापूर्वक की जा सकती हैं। खजूर का वृक्ष भूमि में 3 से 4 प्रतिशत तक क्षारीयता सहन कर सकता है, यद्यपि जड़ों की सामान्य कार्य शक्ति के लिए एक प्रतिशत से अधिक क्षारीयता नही होनी चाहिए। भूमि में अधिक पीएच लवण और क्षार पौधों की वानस्पतिक वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डालते है। बलुई दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिए सबसे अधिक उपयुक्त होती हैं। भूमि में 2 मीटर गहराई तक कंकड़ अथवा पत्थर या कैल्शियम कार्बोनेट की सख्त परत नही होनी चाहिए। अच्छी जल धारण क्षमता और जल निकास की समुचित व्यवस्था वाली मिट्टी खजूर की खेती के लिए उत्तम रहती है।

▸▸ खजूर की खेती के लिए किस्में

भारत में खजूर की किस्में अरब देशों से लाई गई हैं। वैसे तो अरब देशों में खजूर की एक हजार से भी अधिक किस्में हैं, लेकिन इनमें से कुछ ही व्यावसायिक रुप से पैदा की जाती है, जैसे- इराक की हलावी, खदरावी, सायर, बरही और जाहिदी, उत्तर अफ्रीकी देशों की डेग्लेटनूर, मैडजूल, घार्स तथा पाकिस्तान की बेगम जंगी एवं ढक्की मुख्य हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1955–1962 के दौरान खजूर की कुछ किस्में इन देशों से लाई गई तथा उनका पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के फल अनुसंधान केन्द्र, अबोहर में मूल्यांकन किया गया। इस परियोजना के अन्तर्गत देश के चार केन्द्रों (अबोहर, बीकानेर, जोधपुर, मुन्द्रा (कच्छ) पर अनुसंधान प्रगति पर है।

▸▸ खजूर का प्रवर्धन

खजूर के पौधें में नर और मादा फूल अलग–अलग पौधों पर आते हैं। एक बीजपत्री होने के कारण खजूर के पौधें कायिक प्रवर्धन के अन्य तरीकों, जैसे कलम बांधना (ग्राफ्टिंग), चश्मा चढाना (बडिंग), गुटी व कलम विधियों द्वारा तैयार नही किये जा सकते। इसका प्रसारण बीज, सकर्स (अंत:भूस्तारी) व टिश्यूकल्चर तीन विधियों से किया जाता है, जैसे–

बीज द्वारा– खजूर के एकलिंगी (डायोसिस) होने से बीज से तैयार किये पौधों में नर और मादा का अनुपात 50:50 रहने की सम्भावना रहती है।

ईसबगोल एक अत्यंत महत्वपूर्ण औषधीय फसल

ईसबगोल एक अत्यंत महत्वपूर्ण औषधीय फसल है। औषधीय फसलों के निर्यात में इसका प्रथम स्थान हैं। वर्तमान में हमारे देश से प्रतिवर्ष 120 करोड के मूल्य का ईसबगोल निर्यात हो रहा है। विश्व में ईसबगोल का सबसे बडा उपभोक्ता अमेरिका है।

विश्व में इसके प्रमुख उत्पादक देश ईरान, ईराक, अरब अमीरात, भारत, फिलीपीन्स इत्यादि हैं। भारत का स्थान ईसबगोल उत्पादन एवं क्षेत्रफल में प्रथम है। भारत में इसका उत्पादन प्रमुख रूप से गुजरात ,राजस्थान ,पंजाब , हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश में करीब 50 हजार हेक्टर में हो रहा हैं। म. प्र. में नीमच, रतलाम, मंदसौर, उज्जैन एवं शाजापुर जिले प्रमुख है।

जम्मू कश्मीर में जम्मू क्षेत्र के राजौरी, उधमपुर, सांबा और जम्मू जिलों के गर्म और शुष्क क्लस्टर्स में फसल विविधीकरण के अंतर्गत कृषि वैज्ञानिकों की सलाह पर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है ईसबगोल की फसल।

ईसबगोल का औषधीय उपयोग अधिक होने के कारण विश्व बाजार में इसकी मांग तेजी से बड रही हैं। ईसबगोल के बीज पर पाएं जाने वाला छिलका ही इसका औषधीय उत्पाद हैं जिसे ईसबगोल की भूसी के नाम से जाना जाता हैं। भूसी और बीज का अनुपात 25:75 रहता है।इसकी भूसी में पानी सोखने की क्षमता अधिक होती हैं ।इसलिए इसका उपयोग पेट की सफाई , कब्जीयत, दस्त आव पेचिस , अल्सर, बवासीर , जैसी शारीरिक बीमारियों के उपचार में आयुर्वेदिक दवा के रूप में किया जाता हैं।इसके अलावा आइसक्रीम रंग रोगन , प्रिंटिंग आदि उद्योगों में भी इसका उपयोग किया जाता हैं।इसकी मांग एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीक से करना आवश्यक हैं ।

▸▸ भूमि एवं जलवायु

ईसबगोल के लिए ठंडी एवं शुष्क जलवायु उपयुक्त हैं।फसल पकते समय वर्षा व ओस का होना फसल के लिए बहुत ही हानिकारक होता हैं ।कभी कभी फसल 100 प्रतिशत तक नष्ट हो जाती हैं। अधिक आद्रता एवं नमीयुक्त जलवायु में इसकी खेती नहीं करना चाहिए । इसके अंकुरण के लिए 20–25 डिग्री सेल्सियस तथा फसल की परिपक्वता के समय 30–35 डिग्री सेल्सियस तापक्रम उपयुक्त हैं।इसके लिए अच्छे जल निकास वाली दोमट या बलुई दोमट भूमि उपयुक्त हैं।भूमि की पी–एच मान 7–8 तक होना चाहिए।

▸▸ भूमि की तैयारी

दो बार आडी खडी जुताई एवं एक बार बखर चलावें तथा पाटा चलाकर मिटटी भुरभुरी एवं समतल कर लेवें। छोटी क्यारियां बना लें। क्यारियों की लम्बाई चैडाई खेत के ढलान एवं सिंचाई की सुविधानुसार रखें। क्यारियों की लम्बाई 8 से 12 मीटर व चैडाई 3 मीटर से अधिक रखना उचित नहीं होता हैं।

खेत में जल निकास का प्रबंध अच्छा होना चाहिए। क्योंकि खेत में पानी का भराव ईसबगोल के पौधे सहन नहीं कर सकते हैं।

उन्नत जातियां –

जवाहर ईसबगोल 4 – यह प्रजाति 1996 में औषधीय एवं सुगन्धित पौध की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत कैलाश नाथ काटजू उद्यानिकी महाविघालय ,मंदसौर (राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,ग्वालियर) द्वारा म.प्र. के लिए अनुमोदित एवं जारी की गई है। इसका उत्पादन 13–15 क्विंटल प्रति हेक्टर लिया जा सकता है।

गुजरात ईसबगोल 2 – यह प्रजाति 1983 में अखिल भारतीय समन्वित औषधीय एवं सुगन्धित पौध परियोजना, आणंद, गुजरात से विकसित की गई हैं। इसका उत्पादन 9–10 क्विंटल प्रति हेक्टर लिया जा सकता हैं।

हरियाणा ईसबगोल 5 – यह प्रजाति अखिल भारतीय समन्वित औषधीय एवं सुगन्धित पौध परियोजना, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा 1989 में निकाली गई हैं। इसका उत्पादन 10–12 क्विंटल प्रति हेक्टर लिया जा सकता हैं।

अन्य किस्मों में गुजरात ईसबगोल 1, हरियाणा ईसबगोल – 2, निहारिका, ट्राबे सलेक्शन 1 से 10 आदि का चयन कर बुवाई की जा सकती है।

▸▸ बोआई का समय–

ईसबगोल की अगेती बोआई करने पर फसल की ज्यादा वानस्पतिक वृद्धि हो जाती हैं परिणामस्वरुप फसल आडी पड जाती हैं तथा मदुरोमिल आसिता का प्रकोप बढ जाता हैं। वही पर देरी से बुवाई करने पर प्रकोप का वानस्पतिक विकास कम होता हैं और मानसून पूर्व की वर्षा से बीज झडने का अंदेशा बना रहता हैं। इसलिए किसान भाई ईसबगोल की बोआई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवम्बर के द्वितीय सप्ताह तक करते हैं तो यह अच्छा समय होता हैं। दिसम्बर माह तक बोआई करने पर उपज में भारी कमी आ जाती हैं।

बडे आकार का, रोग रहित बीज की 4 किग्रा मात्रा प्रति हेक्टर की दर से उपयोग लेने पर फसल का अच्छा उत्पादन लिया जा सकता हैं। बीज दर ज्यादा होने की दशा में मदुरोमिल आसिता का प्रकोप बढ जाता हैं व उत्पादन प्रभावित हो जाता है।

ईसबगोल के बीज को मैटालैक्जिल 35 एस. डी. की 5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज के मान से बीजोपचार कर बुवाई करें। किसान भाई मृदा उपचार हेतु जैविक फफंदी नाशक ट्राइकोडर्मा विरिडी की 2.5 किग्रा मात्रा प्रति हेक्टर की दर से अच्छी पकी हुई गोबर की खाद अथवा वर्मीकम्पोस में मिला कर नमी युक्त खेत में प्रयोग करें।

किसानों में ईसबगोल की छिटकाव पद्धति से बुवाई करना प्रचलित हैं। परंतु इस विधि से अंत:सस्य किय्राएं करने में कठिनाई आती हैं। परिणामस्वरुप उत्पादन प्रभावित हो जाता है। अत: किसान भाई ईसबगोल की बुवाई कतारों में करते हुए कतार से कतार की दूरी 30 से. मी. एवं पौधे की दूरी 5 से. मी. रखे । बुवाई करते समय बीज में महीन बालू रेत अथवा छनी हुई गोबर की खाद मिलाकर बुवाई करें जिससे वांछित बीज दर का प्रयोग हो सके। बीज की गहराई 2–3 से.मी. रखे। इससे ज्यादा गहरा बीज न बोयें ।छिटकाव पद्धति से बोने पर मिट्टी में ज्यादा गहरा न मिलावें।

▸▸ खाद एवं उर्वरक

ईसबगोल का अच्छा उत्पादन हेतु अच्छी पकी हुई गोबर की खाद 15–20 टन प्रति हेक्टर डालें। 10–15 किलो नत्रजन , 40 किलो स्फुर एवं 20 किलो पोटाश प्रति हेक्टर बुवाई के समय डालें। नत्रजन की 10–15 किलो प्रति हेक्टर बुवाई के 40 दिन बाद छिटकाव कर डालें।

अच्छे अंकुरण के लिए बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई धीमी गति से करें। अंकुरण कमज़ोर होने पर दूसरी सिंचाई 5–6 दिन बाद देवें । इसके बाद प्रथम सिंचाई 30 दिन बाद एवं दूसरी सिंचाई 70 दिन बाद देवें। फूल एवं दाना भरने की अवस्था पर सिंचाई न दें। इनमें दो से ज्यादा सिंचाई देने पर रोगों का प्रकोप बढ जाता हैं तथा उपज में कमी आ जाती हैं। पुशपक्रम / बाली आने के बाद स्प्रिकंलर से सिचाई ना करें ।बुवाई के 20–25 दिन बाद एक बार निंदाई–गुडाई अवश्य करें । इसी समय छनाई का काम भी कर देवें तथा पौधों की दूरी 5 से.मी. रखें । इस

फसल में रासायनिक नींदा नियंत्रण के लिए सल्फोसल्फुरोन की 25 ग्राम मात्रा अथवा आइसोप्रोटूरोंन की 500–750 ग्राम सक्रिय तत्व की मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर बोनी के 20 दिन पर छिडकाव करें ।डाउनी मिल्ड्यू (मदुरोमिल आसिता)– मृदुल रोमिल आसिता के लक्षण पौधों में बाली (स्पाइक) निकलते समय दिखाई देते हैं। सर्वप्रथम पत्तियों की ऊपरी सतह पर सफेद या कत्थई रंग के धब्बे दिखाई देते हैं तथा पत्ती के निचले भाग में सफेद चूर्ण जैसा कवक जाल दिखाई देता हैं।

बाद में पत्तियां सिकुड जाती हैं तथा पौधों की बढवार रुक जाती हैं जिसके परिणामस्वरूप डंठल की लम्बाई , बीज बनना एवं बीज की गुणवत्ता प्रभावित होती हैं। रोग नियंत्रण हेतु स्वस्थ व प्रमाणित बीज बोयें , बीजोपचार करें एवं कटाई के बाद फसल अवशेषों को जला देवें।

प्रथम छिडकाव रोग का प्रकोप होने पर मैटालैक्जिल . मैंकोजेब की 2–2.5 ग्राम मात्रा अथवा कापर ऑक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें। छिडकाव 10–15 दिन के अंतराल पर दोहराए।

मोयला – माहू का प्रकोप सामान्यत: बुवाई के 60–70 दिन की अवस्था पर होता है।यह सुक्ष्म आकार का कीट पत्तियों, तना एवं बालियों से रस चूसकर नुकसान पहुंचाता है। अधिक प्रकोप होने की दषा में पूरा पौधा मधु स्त्राव से चिपचिपा हो जाता हैं तथा फसल पर क क्रिया बाधित हो जाती हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता हैं। इसकी रोकथाम हेतु आक्सी मिथाइल डेमेटान 25 प्रतिशत ई.सी. अथवा डाइमिथोएट 30 प्रतिशत ई.सी. की 1.5 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में अथवा इमिडाइक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एस.एल. अथवा एसिटामिप्रिड 20 प्रतिशत एस. पी. की 5 मिली/ग्राम मात्रा प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें एवं आवयकतानुसार छिडकाव को दोहराए ।

फसल 110–120 दिन में पककर तैयार हो जाती हैं , फसल पकने पर पौधों की ऊपरी पत्तियां पीली एवं नीचे की पत्तियां सूख जाती हैं। बालियों को हथेली में मसलने पर दाने आसानी से निकल जाते हैं। इसी अवस्था पर फसल की कटाई करें। कटाई सुबह के समय करने पर झडने की समस्या से बचा जा सकता हैं। फसल कटाई देर से न करें अन्यथा दाने झडने से उपज में बहुत कमी आ जाती हैं। मावठा आने की स्थिति में फसल कटाई 2–3 दिन जल्दी कर लेवें।

उन्नत तकनीक से खेती करने पर 15–16 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज मिल जाती हैं ।

ईसबगोल की अगेती बोआई करने पर फसल की ज्यादा वानस्पतिक वृद्धि हो जाती हैं परिणामस्वरुप फसल आडी पड जाती हैं तथा मदुरोमिल आसिता का प्रकोप बढ जाता हैं। वही पर देरी से बुवाई करने पर प्रकोप का वानस्पतिक विकास कम होता हैं और मानसून पूर्व की वर्षा से बीज झडने का अंदेशा बना रहता हैं। इसलिए किसान भाई ईसबगोल की बोआई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवम्बर के द्वितीय सप्ताह तक करते हैं तो यह अच्छा समय होता हैं। दिसम्बर माह तक बोआई करने पर उपज में भारी कमी आ जाती हैं।

पौधों के फलने और फूलने के लिए बेस्ट ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर

अगर आपके गार्डन में लगे पौधे में फूल और फल नहीं आ रहे हैं, या बहुत कम आ रहे हैं तो इसका एक अहम कारण पौधों में पर्याप्त न्यूट्रिशन (पोषक तत्वों) की कमी भी हो सकता है। यदि आप जानना चाहते हैं कि गार्डन के पौधों में फल और फूल लाने के लिए क्या करें, तो आप उनमें फूलों और फलों को बढ़ाने वाले जैविक फर्टिलाइजर और खाद डाल सकते हैं। कुछ उर्वरकों के इस्तेमाल से पौधों में अच्छी फ्रूटिंग (फल लगना), और फ्लावरिंग (फूल लगना) होने लगती है। यदि आप भी जानना चाहते हैं कि फल और फूल वाले पौधों के लिए कौन सी खाद अच्छी होती है? गार्डन में लगे पौधों में फूल और फल लगने के लिए कौन सी खाद डालें, तथा खाद कब और कैसे डालें? इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए इस आर्टिकल को लास्ट तक जरूर पढ़ें।

पौधों में फूल और फल बढ़ाने वाले पोषक तत्व –गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे पौधों में कली, फूल और फलों की ग्रोथ के लिए फॉस्फोरस और पोटेशियम पोषक तत्व, अन्य पोषक तत्वों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

- फॉस्फोरस युवा जड़ों को मजबूत करने और पौधे की ग्रोथ में मदद करता है।
- पोटेशियम फूलों के खिलने और फलों के पकने में मदद करता है।

इसीलिए पौधों में ज्यादा फूल और फल लाने के लिए उन उर्वरकों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनमें फॉस्फोरस और पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है।

- इसके अलावा कॉपर, कैल्शियम और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व भी पौधों में जल्दी फ्लावरिंग और फ्रूटिंग के लिए जिम्मेदार होते हैं।

पौधों के फलने और फूलने के लिए बेस्ट ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर –

आप तो पौधों में खाद और उर्वरकों को डालने का महत्व जानते ही होंगे। पौधों में फल और फूल लगते टाइम यह काफी जरूरी होता है, कि उन्हें उस समय सही न्यूट्रिएंट्स दिए जाएं। होम गार्डन में लगे पौधों में ज्यादा फल और फूल लगने के लिए आप उनमें नीचे दिए गए निम्न फर्टिलाइजर्स का इस्तेमाल जरूर करें–

बोन मील
एप्सम साल्ट
मस्टर्ड केक
रॉक फास्फेट
प्रोम मैन्योर
आर्गेनिक पोटाश फर्टिलाइजर
लिक्विड सीवीड फर्टिलाइजर
केले के छिलके की खाद

बोन मील – पौधों में बोन मील फर्टिलाइजर का उपयोग फल, फूल और सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के लिए किया जाता है। प्लांट्स में इसका इस्तेमाल फूल और फल लगने के दौरान कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इसे अधिक मात्रा में डाल देने पर भी पौधे को कोई नुकसान नहीं पहुँचता है। बोनमील उर्वरक से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी निम्न हैं

एन–पी–के वैल्यू – 3–15–0

मुख्य पोषक तत्व – फास्फोरस, कैल्शियम, नाइट्रोजन

इस्तेमाल कैसे करें – पौधे को लगाने के लिए मिट्टी तैयार करते समय, उसमें आधा चम्मच बोन मील मिला सकते हैं और पौधे में कलियों के विकास के दौरान भी एक मुट्ठी बोन मील फर्टिलाइजर पौधे की ऊपरी मिट्टी में मिलाया जा सकता है। मिट्टी में इस उर्वरक को मिलाने के बाद पानी का छिड़काव जरूर करें। बोन मील उर्वरक कितनी बार डालना चाहिए – बोन मील उर्वरक को मिट्टी में पूरी तरह से घुलने में लगभग चार महीने लगते हैं, इसलिए इस समय अवधि में फिर से फर्टिलाइजर यूज न करें।